वर्ष-16 , अंक 149
गुरुवार
12 फरवरी 2026
पृष्ट-8 मूल्य -1
www.sititoday.com

सिटी टुडे

ग्वालियर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सुविचार

दूसरों से अपनी
तुलना मत करो,
जो आप दूसरों के सोशल मिडिया
देखकर प्रभावित होते हो,
वो केवल उनकी जिंदगी की हाइलाइट्स हैं,
असल जिंदगी कुछ और ही होती है

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं– बजट का फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर, राज्यों को 17.1 लाख करोड़ का हस्तांतरण

किसानों की बेहतरी के लिए एआई का उपयोग, विपक्ष ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में आम बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार का प्रमुख फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर है, ताकि देश में लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया जा सके और सामान के आवागमन को आसान बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि जलमार्गों और अन्य परिवहन साधनों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूती देने के साथ-साथ पुराने व्यवसायों को भी प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया है। छोटे उद्योगों के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाई गई है ताकि व्यापार में पूंजी की कमी न रहे। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बजट में विशेष घोषणाएं की गई हैं। आयुष चिकित्सा को प्रोत्साहन देने और पांच क्षेत्रीय मेडिकल हब स्थापित करने की योजना है, जिससे लगभग एक लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। साथ ही 1.5 लाख केयरगिवर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्यों को वित्तीय सहयोग के मुद्दे पर सीतारमण ने स्पष्ट किया कि 17.1 लाख करोड़ रुपये राज्यों को हस्तांतरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह आरोप गलत है कि केंद्र राज्यों को पर्याप्त धन नहीं दे रहा। वित्त आयोग ने भी केंद्र से राज्यों को संसाधन हस्तांतरण की प्रक्रिया को उचित ठहराया है। सेस और सरचार्ज को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि संविधान केंद्र को यह अधिकार देता है और इन संसाधनों का उपयोग भी राज्यों के विकास कार्यों, जैसे अस्पताल और स्कूल में ही होता है। कृषि क्षेत्र पर उठे सवालों के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। बीज परीक्षण सुविधाओं और किसान प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। उर्वरक और यूरिया के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान किए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की कमी न हो। हालांकि विपक्ष ने इस दावे पर आपत्ति जताई। महाराष्ट्र बुलेट ट्रेन परियोजना में देरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछली राज्य सरकार द्वारा भूमि कीमतें बढ़ाए जाने के कारण अड़चनें आईं। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को लेकर विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि दो हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर उत्तर प्रदेश से गुजर रहे हैं और राज्य के लिए रेलवे बजट में वृद्धि हुई है। बंगाल में दुर्गापुर-आसनसोल ईस्टर्न कॉरिडोर और सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जूट और लेदर निर्यात से भी राज्य को लाभ होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सरकार बजट सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रही है और विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर पूंजी निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विगत दिवस दिल्ली में भाजपा मध्यप्रदेश के सह प्रभारी एवं विधायक आदरणीय श्री सतीश उपाध्याय जी के पूज्य बड़े भ्राता श्रद्धेय श्री अवधेश उपाध्याय जी के असामयिक देवलोकगमन उपरांत पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सुरेश पचौरी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक संतप्त परिजनों को भी सांत्वना दी तथा ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें।

सौभाग्य समझूं या भाग्य, नहीं बता सकती जया बच्चन के ऐसा कहते ही सदन में लगे ठहाके

नई दिल्ली। जब भी मैं बोलने के लिए आती हूं, आप ही चेयर पर होते हैं.....यह सुने राज्यसभा में लगने लगे जोर-जोर से ठहाके। जहां एक ओर लोकसभा में आजकल मोदी सरकार और विपक्ष के बीच खींचतान दिख रही है। वहीं राज्यसभा में कई पल देखने को मिल रहे हैं, जब सांसद आपस में हंसते और बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। राज्यसभा का एक ऐसा ही वीडियो वायरल है।

वीडियो में जया बच्चन राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी भुवनेश्वर कालिता से कहती हैं, मैं जब भी मैं बोलने के लिए आती हूं आप ही चेयर पर होते हैं, अब मैं इस सौभाग्य समझूं या भाग्य, नहीं बता सकती जया बच्चन की बात सुनकर कालिता गदगद हुए और हाथ जोड़ने लगे, वहीं पूरा सदन जोर-जोर से ठहाके लगाने लगा। बता दें कि भुवनेश्वर कालिता 2020 से असम से राज्यसभा सदस्य हैं।

ताज्जुब यह है कि ठहाके लगाने वालों में पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद थे। राज्यसभा में इतना खुशहाल माहौल देखकर सोशल मीडिया पर लोग चौंक रहे हैं। दरअसल इनदिनों लोकसभा का पारा हाई है। वहां राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की बुक का हवाला देकर मोदी सरकार पर हमलावार हैं। राज्यसभा में यूएस-भारत डील पर बताकर जया ने कहा कि आप मखाना भेजिए, हमें पॉपकॉर्न खाना पड़ेगा। बजट पर जया बच्चन ने कहा कि सभापति मैं जानना चाहती हूं कि बजट में 3.1 करोड़ बेरोजगार युवकों के लिए रोजगार सर्जन को लेकर कितना बजट आवंटित किया है।

ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं शबाना

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इंकार कर रहे हैं। इस बीच नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है। कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओके के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी।

6412 जोड़ों के विवाह के साथ बना विश्व रिकॉर्ड

रायपुर

रायपुर सहित पूरे प्रदेश में कुल 6,412 जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार वैवाहिक जीवन में बंधे। राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में 1,316 नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रत्यक्ष रूप से आशीर्वाद प्रदान किया, जबकि अन्य जिलों के जोड़े वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की

गई। इस अभूतपूर्व आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता, अंत्योदय और संवेदनशील शासन की भावना को साकार करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि एक समय गरीब परिवारों के लिए बेटी का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, जिसे इस योजना ने सम्मान और भरोसे में बदल दिया है।

सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का उत्सव

श्री साय ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह समारोह नहीं, बल्कि सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस वृहद आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़े अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधे, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का बढ़ेगा गौरव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में किया हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित की जा रही हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है। इस परियोजना से सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही शहर के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के ग्राम हरियाखेड़ी में जल आवर्धन परियोजना के भूमि-पूजन

अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लगभग 47.23 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा कि उनके दिखाए अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए ही हमारी सरकार गरीब से गरीब के कल्याण में लगी हुई है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही उज्जैन जिले में प्रोजेक्ट संवर्धन आरंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके सम्मान और सफाई कर्मचारियों को किट वितरण जैसी गतिविधियां प्रतीक स्वरूप आयोजित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए एक बड़ी सौगात बहुत जल्द मिलने वाली है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। सरकार ने उज्जैन, ओरछा सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थानों पर शराबबंदी कर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और बहनों को रोजगार दिलवाने के लिए रोजगार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उज्जैन के पास रेडीमेड गारमेंट की यूनिट शुरू होने पर बहनों को काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी उज्जैन ने बाबा महाकाल के कार्यक्रमों का प्रसारण किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि आकाशवाणी के माध्यम से उज्जैन के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। आकाशवाणी के माध्यम से सिंहस्थ से जुड़े समाचार भी जन-जन तक पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ: 2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। उज्जैन बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की नगरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे।

रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा। शीघ्र ही उज्जैन-इंदौर फोर लेन रोड का भूमि-पूजन भी किया जाएगा। उज्जैन भी मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा होगा। यह सभी कार्य शहर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में बताया गया कि हरियाखेड़ी परियोजना को 24 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। हरियाखेडी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल का निर्माण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण और 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे।

योजना अंतर्गत 708 किमी पाइपलाइन का नया वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा तथा पुरानी एसीपी पाइपलाइन भी बदली जाएगी। परियोजना से 49,087 नए घरेलू जल सेवा कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना के अंतर्गत सिलारखेड़ी, गंभीर, उंडासा एवं साहिबखेड़ी को मुख्य जल स्रोत के रूप में उपयोग किया जाएग।

42 महीने की जांच के बाद कारम बांध हादसे में ठेकेदार सहित चीफ इंजीनियर अधीक्षण यंत्री व पांच इंजीनियर दोषी

(गुरशरण सिंह अहलूवालिया)

तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान की सरकार में कारम डैम टूटने के मामले में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव सरकार ने फाइल खोल दी है. साल 2022 में जिम्मेदार जल संसाधन के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला लिया गया है. अतिरिक्त मुख्य सचिव ने तत्कालीन मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, तत्कालीन एसडीओ और छह अधिकारियों को तलब किया है.

17 फरवरी को अधिकारियों को मौजूद रहकर जवाब देना होगा. अगर अधिकारी जवाब नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी.

धार जिले के ग्राम कोठीदा में कारम सिंचाई परियोजना के तहत बने कारम बांध के फूटने के मामले में साढ़े तीन साल बाद विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी गई है। 349 पन्नों की इस रिपोर्ट में मुख्य अभियंता (सीई) और अधीक्षण यंत्री सहित कुल पांच इंजीनियरों को दोषी ठहराया गया है। जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा इन आरोपित अधिकारियों के खिलाफ 17 फरवरी को सुनवाई की जाएगी। जांच में तीन इंजीनियरों को साक्ष्यों के अभाव में क्लीन चिट दी गई है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली की एएनएस कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा 304.44 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन कर बांध अगस्त 2022 में क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। रिपोर्ट के अनुसार प्रभारी मुख्य अभियंता नर्मदा – तासी कछार सीएस घटोल, तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल धार पी. जोशी, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री बीएल निनामा, तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी विकार अहमद सिद्दीकी और तत्कालीन उपयंत्री विजय कुमार जत्थाप के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए हैं। वहीं तत्कालीन उपयंत्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार राम और दशवंता सिसोदिया पर लगे आरोप सिद्ध नहीं हो सके, जिसके चलते इन्हें जांच से मुक्त कर दिया गया है। लापरवाही मानी गई कारण जांच रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि बारिश के दौरान निर्माणाधीन मध्यम श्रेणी के बांध का क्षतिग्रस्त होना कोई सामान्य घटना नहीं है और इसे केवल अतिवृष्टि जनित प्राकृतिक आपदा मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनहानि न होने का तर्क दोषी इंजीनियरों के कदाचरण को कम नहीं करता । रिपोर्ट में कलेक्टर धार के 3 फरवरी 2026 के पत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि कारम बांध दुर्घटना के बाद प्रभावित किसानों और अन्य लोगों को कुल 14 लाख 70 हजार 398 रुपये का मुआवजा दिया गया। इसमें खेती की जमीन पर मिट्टी जमने के लिए 1 लाख 94 हजार 419 रुपये, फसल क्षति के लिए 9 लाख 90 हजार 679 रुपये, ईंट भट्टों के नुकसान पर 2 लाख 30 हजार रुपये और मकानों के नुकसान पर 1 लाख 15 हजार 300 रुपये शामिल हैं। इस तरह हादसे के कारण शासन को उल्लेखनीय वित्तीय हानि उठानी पड़ी।

एएनएस कंस्ट्रक्शन को मिला था ठेका

जांच रिपोर्ट में ठेकेदार दिल्ली की कंपनी एएनएस कंस्ट्रशन को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। जल संसाधन विभाग के सचिव जॉन किंग्सली ने साढ़े तीन साल तक चली जांच में उल्लेख किया है कि 45 एमसीएम क्षमता के बांध में नाले को रोका गया था, लेकिन बारिश में बांध का निर्माण भूधरा छोड़ दिया था। बांध निर्माण में गुणवत्ता और ध्यान नहीं रखा। बांध के डाउन स्ट्रीम में मौजूद 18 गांवों की आबादी को खतरे में डाला गया। जांच अधिकारी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि केंद्रीय जल आयोग के निर्देशन में काम करने के बाद भी दो साल तक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। ऐसे में आयोग को बार-बार पत्र लिखकर रिमाइंडर देना पड़ा है। वहीं आरोपी अधिकारियों ने तर्क दिया कि कोई जनहानि नहीं हुई, इस तर्क की वजह से उन्हें दोष मुक्त नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया कि विभागीय जांच के दौरान कुछ आरोपी इंजीनियरों ने तर्क दिया कि बांध पूरी तरह सुरक्षित था। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बांध में कट लगाने का निर्णय लिया गया, अगर ऐसा नहीं किया जाता तो बांध सुरक्षित रहता। इस कार्य से शासन को कोई वित्तीय हानि नहीं हुई है।

कृषि विपणन मंडी बोर्ड में अधिकारी कर्मचारी न्याय हेतु न्यायालय से उम्मीद

प्रबंध संचालक तथा जिम्मेदार अधिकारीयों अगर गंभीर होते तो सरकार का करोड़ों रुपया बच सकता था।

मध्य प्रदेश कृषि विपणन मंडी बोर्ड अपनी कमाई का औसतन 20% से अधिक राशि न्यायालयलीन प्रक्रिया में अभिभाषकों तथा अन्य खर्चों में खर्च कर देता है यहां तक के कई अधिकारी कर्मचारियों को जब न्याय भी मिल जाता है उसके बाद भी रिवीजन तथा एसएलपी दायर कर सालों तक अधिकारी कर्मचारियों को न्याय नहीं मिलता परंतु इससे बोर्ड की राशि इन प्रकरणों में लगातार खर्च होती रहती है इतना ही नहीं बोर्ड अधिकारियों की तर्ज पर अभिभाषको को भी दायर प्रकरणों में समय पर जानकारी न मिलने से प्रकरण लंबित रहते हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार बात अगर ग्वालियर चंबल संभाग की करते हैं तो ग्वालियर चंबल संभाग में वर्तमान में माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर मे 134 व 3 प्रकरण माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित है इनमें अधिकतर प्रकरण अधिकारी कर्मचारियों की अपनी छोटी-छोटी जायज मांग पर बोर्ड मुख्यालय के अधिकारियों से न्याय नहीं मिलता तब वह याचिका दायर कर माननीय न्यायालय की शरण में जाते हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार कुल 137 प्रकरण लंबित हैं इनमें 118 प्रकरण एक ही मंडी कमेटी से वर्ष से अधिक समय से जुड़े अभिभाषक के पास है शेष 19 प्रकरण दो अन्य अभिभाषक गण के पास है अपुष्ट सूत्रों के अनुसार संभागीय संयुक्त कार्यालय में पांच अभिभाषक का पैनल है अगर लंबित प्रकरण में प्रकरणों के निपटान के लिए नए सिरे से प्रकरणों का कार्य विभाजन किया जाए तो दोनों पक्षों को इसका लाभ मिल सकता है। प्राप्त जानकारी अनुसार वर्तमान प्रबंध संचालक के कार्यकाल में 2024 व 2025 दो वर्षों में कुल 36 प्रकरण कर्मचारियों द्वारा अपने हको की लड़ाई के लिए माननीय उच्च न्यायालय में दायर किए गए हैं जो गंभीर चिंता का विषय है।एक अन्य जानकारी अनुसार माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में वर्तमान में कुल पांच अवमानना के प्रकरण लंबित है उनमें एक पूर्व प्रबंध संचालक एम सेल्वन्द्र तथा तथा एक संयुक्त संचालक एस के कुमरे के विरुद्ध लंबित होने के अतिरिक्त वर्तमान प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में तीन प्रकरण अवमानना के तीन प्रकरण लंबित है जिसमें एक प्रकरण में समाचार लिखे जाने तक माननीय न्यायालय में जवाब दावा प्रस्तुत नहीं किया जा सका। एक वरिष्ठ अभिभाषक ने चर्चा करते हुए बताया अगर बोर्ड में मध्यस्थता कमेटी का गठन कर अधिकारी कर्मचारी की नियमों के तहत कार्रवाई की जाए तो दोनों पक्षों को समय पर बोर्ड मुख्यालय को आर्थिक तथा आवेदक को न्याय मिल सकता है। जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश में अगर सभी संभागीय स्तर पर आवेदन मांग कर नए पैनल बनाए जाएं तो भी प्रकरणों का माननीय न्यायालय जल्दी न्याय दे सकते हैं बताया जाता है कि वर्तमान में पैनल बनाते समय शासन के किसी भी नियमो का पालन नहीं किया जाता अधिकारी कर्मचारी अपनी मर्जी से ही अभिभाषकों की नियुक्ति करते हैं।

एआई और सायबर के खतरों से सावधान रहें : शर्मा

भोपाल

सेफर इंटरनेट डे-2026 के अवसर पर इस वर्ष की निर्धारित थीम 'एआई और उभरते साइबर जोखिम' के तहत राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मध्यप्रदेश राज्य इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा निदेशालय के आयुक्त अवधेश शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि एआई और सायबर के खतरों से सावधान रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी कमलेश जोशी ने की।

एआई के खतरों से कराया अवगत

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग जहां विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है, वहीं इसके दुरुपयोग से साइबर अपराधों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। एआई-सक्षम धोखाधड़ी, डीपफेक तकनीक, वॉयस क्लोनिंग, व्यक्तिगत संदेशों के माध्यम से ठगी और स्वचालित साइबर हमलों जैसे खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड बनाएं

वशेषज्ञों ने साइबर स्वच्छता की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए मजबूत पासवर्ड का उपयोग, संदिग्ध लिंक या संदेशों से सावधानी, सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचाव तथा नियमित रूप से डिजिटल उपकरणों के अपडेट रखने जैसे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर बताया गया कि सेफर इंटरनेट डे प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्व के लगभग 160 देशों में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को इंटरनेट एवं डिजिटल तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र के सहयोग से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालयों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति प्रेरित किया गया।

महाशिवरात्रि महोत्सव पर संतनगर में होगा अभिषेक, गूंजेंगे 'सिंधी भगत'

संतनगर

स्टेशन रोड स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर में इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगत नथुरमल जी की प्रेरणा से शिव मण्डली द्वारा 14 और 15 फरवरी 2026 को दो दिवसीय भव्य मेले और विविध धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ 14 फरवरी को शाम 6:00 बजे मुख्य अतिथि सिद्ध भाऊ एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा भगवान शिव के विशेष अभिषेक और मेले के उद्घाटन के साथ होगा। इससे पूर्व, मंदिर परिसर में शाम 4:00 से 6:00 बजे तक सामूहिक सुंदरकाण्ड पाठ के जरिए आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में 14 फरवरी की रात्रि से होगी, जिसमें रात 9:00 बजे से स्थानीय राम-श्याम म्यूजिकल ग्रुप भजनों की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव का मुख्य आकर्षण उल्लासनगर (महाराष्ट्र) से आई भगत निखिल म्यूजिकल पार्टी होगी, जो रात 11:00 बजे से तड़के 4:00 बजे तक पारंपरिक 'सिंधी भगत' के माध्यम से शिव महिमा का बखान करेगी।

आयोजन के दूसरे दिन, 15 फरवरी को सुबह 6:00 बजे से हवन-पूजन प्रारंभ होगा, जिसकी पूर्णाहूति सुबह 10:00 बजे भव्य महाआरती के साथ होगी। इसके पश्चात, सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विशाल आम भंडारे में भक्तों को प्रसादी वितरित की जाएगी। महोत्सव का समापन 15 फरवरी की रात 9:00 बजे से पुन: सिंधी भगत की प्रस्तुति के साथ होगा। मध्यरात्रि 12:30 बजे विशेष प्रार्थना 'पल्लव' के साथ कार्यक्रम क समापन होगा।

एम्स के शल्य उपकरण को मिला पेटेंट

भोपाल। एम्स भोपाल के चिकित्सकों द्वारा विकसित दंत एवं मुख शल्य चिकित्सा के लिए बहुउद्देश्यीय शल्य उपकरण को भारत सरकार से पेटेंट प्राप्त हुआ, जिससे दंत सर्जरी चिकित्सा और माइनर ओरल सर्जरी की प्रक्रिया सरल व सुरक्षित होंगी। इन उपकरणों के मुख्य आविष्कारक डॉ. अंशुल राय हैं, जिसमें डॉ. बाबूलाल, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ज़ेनिश भट्टी और डॉ. मोनिका राय सह-आविष्कारकों के रूप में योगदान दिया। डॉ राय ने बताया कि स्विस नाइफ जैसी संरचना वाला यह बहुउद्देश्यीय शल्य उपकरण डेंटल सर्जरी में अनेक उपकरणों की आवश्यकता को कम करते हुए प्रक्रिया को सरल बनाता है। कम उपकरणों की आवश्यकता से समय, लागत और संसाधनों की बचत होगी तथा मरीजों की रिकवरी अपेक्षाकृत तेज हो सकेगी।

भारतीय रेलवे ने बनाया चालक दल एप

भोपाल। भारतीय रेलवे ने सुरक्षित रेल परिचालन के लिए रनिंग स्टॉफ वाले चालकों के लिए 'चालक दल ऐप' विकसित किया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित इस ऐप से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन प्रबंधक को रनिंग रूम से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यह व्यवस्था विभिन्न स्तरों पर निगरानी को सरल बनाते हुए शिकायतों के शीघ्र समाधान में सहायक सिद्ध हो रही है। रनिंग स्टाफ को 'चालक दल ऐप' के माध्यम से ही शिकायत दर्ज करने प्रेरित किया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने ली भाजपा के जिला और संभाग प्रभारियों की बैठक

संभाग और जिलों में भारतीय जनता पार्टी को हर बूथ पर करें सबसे अधिक मजबूत

भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के संभाग एवं जिला प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में संगठन की मजबूती के सूत्र सुझाते हुए पदाधिकारियों ने हर जिले और संभाग में पार्टी को बूथ पर मजबूत करने की समझाइश दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रत्येक जिला प्रभारी को संभाग प्रभारियों से निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखते हुए पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। जिला प्रभारी जिलों में साप्ताहिक प्रवास व रात्रि विश्राम कर संगठन विस्तार में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि किसी भी दायित्व को प्रभावी तरीके से निभाने के लिए सबसे पहले उसकी स्पष्टता बेहद जरूरी है। जिला प्रभारी को अपने प्रभार वाले जिले का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक पहलुओं का गहन अध्ययन करना होगा, और निरंतर प्रवास के माध्यम से संगठन को आगे बढाना होगा, ताकि पार्टी संगठन के लक्ष्यों को सही दिशा मिल सके। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और गौरव रणदिवे मंच पर उपस्थित रहे।

कार्य विभाजन ही संगठन की मजबूती का आधार: जामवाल

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए किसी भी दायित्व को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए सबसे पहले जिम्मेदारी की स्पष्ट परिभाषा, उसकी भूमिका और संपूर्ण जानकारी का होना आवश्यक है। जिला प्रभारी को अपने प्रभार वाले जिले का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक अध्ययन करते हुए निरंतर प्रवास के माध्यम से आगे बढ़ाना होगा, ताकि सफलता का मार्ग सुनिश्चित हो सके। संगठन की मजबूती का आधार कार्य विभाजन है। कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता बिना दायित्व के नहीं रहना चाहिए। मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक कार्य और जिम्मेदारी तय होने चाहिए, ताकि संगठन सतत सक्रिय और परिणामोन्मुख बना रहे। उन्होंने कहा कि प्रभारी को कोर ग्रुप, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समाज के प्रबुद्धजनों से नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए। कार्यकर्ता मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को और मजबूती देने के लिए सरकार की योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य करें।

प्रभार वाले जिलों में नियमित करें प्रवास

प्रदेश अध्यक्ष श्री खण्डेलवाल ने कहा कि जिला प्रभारी संगठन के कार्यों को पारदर्शिता, आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ करते हुए आदर्श संगठक के उच्च मानदंड स्थापित करना है। आने वाला समय संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें जिला प्रभारी की भूमिका अत्यधिक अहम होगी। अपने प्रभार वाले जिले में नियमित प्रवास करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की सतत समीक्षा, सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने जिले में प्रवास करना और रात्रि विश्राम भी उसी जिले में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी समय में लगातार चुनाव होंगे और संगठन तभी सुदृढ़ रहेगा, जब जिला स्तर पर उसका और अधिक मजबूत नेटवर्क होगा।

मंत्रालय में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर की चर्चा

भोपाल। देश में लागू नए अपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन, राज्य में नक्सलवाद, आतंकवाद, मादक पदार्थ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन आदि पर मंत्रालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। अपर मुख्य सचिव गृह शिवशेखर शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधि एवं विधायी कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लोक अभियोजन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तथा मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने सहभागिता की। उच्च स्तरीय बैठक का उद्देश्य नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, आंतरिक सुरक्षा की स्थिति तथा संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करना रहा। बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा) सुश्री निष्ठा तिवारी एवं संयुक्त निदेशक सुश्री अमृता डेस, उपस्थित रहीं।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर शुरू

संतनगर

आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और असंतुलित खान-पान के कारण 'मोटापा' एक महामारी का रूप लेता जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, मोटापा ही शरीर में पनपने वाली अन्य गंभीर बीमारियों की जड़ है। इसी समस्या के निवारण हेतु केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में एक विशेष स्वास्थ्य पहल शुरू की गई है। संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज फॉर वूमेन, भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत 9 से 15 फरवरी तक एक विशेष शिविर लगाया गया है। इस शिविर में मोटापे से ग्रसित लोगों का योग और प्राकृतिक चिकित्साके माध्यम से नि:शुल्क उपचार किया जा रहा है।

शिविर में योग एवं प्राणायाम से वजन घटाने के लिए प्रभावी आसनों का अभ्यास कराया जा रहा है। शरीर के शोधन के लिए नेचरोपैथी उपचार किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत डाइट चार्ट और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट के टिप्स दिए जा रहे हैं।

16 फरवरी को विशेष कार्यशाला

शिविर के समापन के अगले दिन, यानी 16 फरवरी 2026 को संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज में मोटापे पर केंद्रित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो मोटापे के वैज्ञानिक पहलुओं और उससे बचाव के स्थायी समाधानों पर मार्गदर्शन करेंगे।

भोपाल. रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप में मंगलवार को नाटक 'खामोश अदालत जारी है' का मंचन किया गया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री जाधव से मिले मंत्री इन्दर सिंह परमार

अभा आयुर्वेद संस्थान की उज्जैन में स्थापना के लिए किया आग्रह

भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने, मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव से भेंट कर, प्रदेश में संचालित आयुष विभाग अंतर्गत समस्त गतिविधियों से अवगत कराया।

इस दौरान श्री परमार ने, प्रदेश में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की उज्जैन में स्थापना के लिए केंद्रीय आयुष मंत्री से अनुरोध किया। प्रदेश के लिए दो नवीन आयुर्वेद महाविद्यालयों एवं एक होम्योपैथी महाविद्यालय की स्थापना, प्रदेश में वैलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच अन्य केंद्रों की स्थापना एवं टीकमगढ़ में 50 बिस्तरीय चिकित्सालय की स्थापना के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए भी आग्रह किया। इस दौरान केंद्रीय आयुष मंत्री जाधव ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत हुई गतिविधियों के लिए भूरी-भूरी प्रशंसा एवं सराहना की। मंत्री श्री परमार के नेतृत्व में पहुंची आयुष विभाग की टीम ने, केंद्रीय मंत्री श्री जाधव से प्रदेश में आयुष अन्तर्गत संचालित गतिविधियों के अवलोकन के लिए आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आयुष शोभित जैन ने, प्रदेश में आयुष के विकास के लिए, अधिकतम केंद्रीय सहायता के लिए अनुरोध किया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने प्रदेश को अधिकतम वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने के लिए आश्वस्त भी किया।

8 नवीन आयुर्वेद महाविद्यालय हो रहे स्थापित

ज्ञातव्य है कि पिछले दो वर्ष में प्रदेश सरकार द्वारा 8 नवीन आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित किया जा रहे हैं, इनमें से 7 आयुर्वेद महाविद्यालयों का वित्तीय पोषण, भारत सरकार अंतर्गत राष्ट्रीय आयुष मिशन से प्राप्त हुआ है। इसके साथ प्रदेश के लिए खजुराहो में योग संस्थान स्थापित किए जाने और नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड के अंतर्गत प्रदेश के एकलव्य स्कूलों में पोषण वाटिका स्थापित किए जाने के लिए भी केंद्रीय वित्तीय सहायता का अनुरोध किया गया।

भाजयुमो ने केन्द्रीय बजट पर आयोजित किया युवा संवाद

केन्द्रीय बजट में युवाओं के लिए बेहतर एवं पर्याप्त अवसर : कृष्णा गौर

भोपाल

भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल इकाई द्वारा मंगलवार को भोपाल के निजी कॉलेज के सभागार में 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को समर्पित था और इसमें युवाओं के बीच बजट 2026-27 के महत्व और उनके भविष्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की गई।प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की असली ताकत है। यह बजट युवाओं के लिए नए अवसर, कौशल विकास और उद्यमिता के द्वार खोलता है। शिक्षा, रोजगार और नवाचार के माध्यम से ही हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। युवा अपने सपनों को बड़े लक्ष्य में बदलें, अपने कौशल और प्रतिभा का उपयोग समाज और देश के विकास में करें और हर चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लें। हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाया जाए, और यह तभी संभव है जब युवा सक्रिय, सशक्त और जिम्मेदार बनें। पार्टी के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने कहा कि दायित्वबोध, समन्वय, प्रवास और संवाद के माध्यम से ही संगठन और समाज मजबूत बन सकता है।

साईं कॉलेज में 19वां तीन दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव शुरू

महोबा। साईं कॉलेज ऑफ एजुकेशन डिग्री कॉलेज में मंगलवार से 19वां तीन दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि डीएवी के पूर्व प्रधानाचार्य शिवकुमार गोस्वामी ने किया। पहले दिन खो-खो, कुर्सी दौड़ व रस्साकसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। खो-खो में याशिका राठौर की टीम ए विजयी रही। प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी ने खेलों को व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक बताया।

बागचा से विस्थापित तीन हितग्राहियों को मिली 36 लाख रुपए की राशि

श्योपुर। कूनो वन मंडल के बागचा से विस्थापित तीन हितग्राहियों की 36 लाख रुपए की एफडीआर राशि तत्काल रिलीज किए जाने की कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा की गई है। तीनों हितग्राहियों की 12-12 लाख की राशि उनके बैंक खातों में जारी करने के लिए बैंक को लिखित में पत्र जारी कर दिया गया है। ग्राम बागचा से विस्थापित दिनेश आदिवासी, सौमोती आदिवासी, सुखलाल आदिवासी निवासी चक बमूलिया (नया बागचा) ने विस्थापन अंतर्गत शासन के प्रावधान के क्रम में विकल्प एक का चयन किया था। जिसमें उन्हें 15 लाख की एक मुश्त राशि कूनो वन मंडल द्वारा प्रदान की गई है। नियम अनुसार लगभग तीन लाख की राशि तत्समय आवास निर्माण के लिए प्रदान की गई थी। जिससे उन्होंने आवास बना लिए है।

डीईओ के आदेश के विरुद्ध केन्द्राध्यक्ष ने चार शिक्षकों की लिपिकीय कार्य में लगा दी ड्यूटी

श्योपुर

स्थानीय परीक्षाओं को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एमएल गर्ग द्वारा इस बार बोर्ड परीक्षाओं में पर्यवेक्षकों से ही लिपिकीय कार्य कराने के लिए दिए गए स्पष्ट निर्देश के बाद भी शासकीय उत्कृष्ट बालक उ.मा. विद्यालय (स्वाध्यायी) केन्द्र क्रमांक 121001 के केन्द्राध्यक्ष ने चार शिक्षकों की डीईओ के आदेश के विरुद्ध लिपकीय कार्य में ड्यूटी लगा दी है।

मालूम हो कि जिला शिक्षा अधिकारी एमएल गर्ग ने 7 फरवरी 2026 को एक आदेश जारी करते हुए स्पष्ट रूप से यह निर्देश दिए थे कि बोर्ड परीक्षाओं में लिपिकीय कार्य उन्हीं पर्यवेक्षकों से कराया जाना है। जिनकी सूची परीक्षा केन्द्र पर उपलब्ध कराई गई है। आदेश में डीईओ ने उल्लेख किया था कि स्थानीय परीक्षा नजदीक होने के कारण विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से शिक्षकीय कार्य प्रभावित होगा। ऐसे में पर्यवेक्षकों से ही लिपिकीय कार्य कराया जाए। इस आदेश के विरूद्ध गिरधरपुर के संकुल प्राचार्य एवं शासकीय उत्कृष्ट बालक उमावि श्योपुर के केन्द्राध्यक्ष सुरेशचंद मीणा ने चार शिक्षकों की लिपिकीय कार्य में ड्यूटी लगाकर डीईओ के आदेश का उल्लंघन किया है।

इन शिक्षकों की लगाई नियम विरुद्ध ड्यूटी

शासकीय उत्कृष्ट बालक उमावि श्योपुर के केन्द्राध्यक्ष सुरेशचंद मीणा द्वारा डीईओ के आदेश के विरुद्ध शासकीय सांदीपनि विद्यालय पहेला के सहायक शिक्षक सतीश कुमार गुप्ता, शासकीय एकीकृत विद्यालय बांकुरी के माध्यमिक शिक्षक मुकेश कुमार गुप्ता, शा माध्यमिक विद्यालय झरेर के माध्यमिक शिक्षक नीरज शोभन एवं शासकीय सांदीपनि उमावि पहेला की शिक्षिका रानू खंडेलवाल की परीक्षा में लिपिकीय कार्य के लिये ड्यूटी लगाई है। सभी शिक्षक ड्यटी के चक्कर में पहले दिन परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित भी रहे।

3773 परीक्षार्थियों ने हल किया अंग्रेजी का पर्चा, 51 रहे अनुपस्थित

मंगलवार से माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। पहले दिन कक्षा 12वीं के अंग्रेजी विषय के 3824 परीक्षार्थियों में से 3773 ने 30 केन्द्रों पर परीक्षा दी जबकि 51 परीक्षार्थी किन्हीं कारणों से अनुपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 35 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर जिलाधीश प्रतिनिधि के रूप में अधिकारियों को भी नियुक्त किया गया है। जिले में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए विकासखंड श्योपुर, विजयपुर, कराहल में 35 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए 35 केन्द्राध्यक्ष एवं 35 सहायक केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। 13 फरवरी से 10वीं की बोर्ड परीक्षाए शुरू होंगी।

कीटनाशक की बिक्री पर लगाई रोक

मुरैना। जिले में किसानों के हितों की सुरक्षा एवं कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक कीटनाशक के बैच के भंडारण, विक्रय एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध कीटनाशी अनुज्ञापन अधिकारी एवं उप संचालक कृषि अनंत सड़ैया द्वारा लगाया गया है। उप संचालक कृषि द्वारा जारी आदेश के अनुसार निर्माता कंपनी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का कीटनाशक क्लोरोपायरीफस 20 प्रतिशत ई.सी. विक्रेता मैसर्स दिलीप फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स के प्रतिष्ठान से जांच के दौरान नमूना लिया गया। संबंधित कीटनाशक का बैच नंबर डीपीजीआई 25019, जिसकी उत्पादन तिथि 21 सितंबर 2025 तथा अवसान तिथि 20 अगस्त 2027 है। जिसका प्रयोगशाला में विश्लेषण किया गया। विश्लेषण रिपोर्ट में उक्त बैच में मिसब्रांड तत्व पाया गया जो गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है। इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 14 के अंतर्गत संबंधित बैच के भंडारण, विक्रय एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है। उप संचालक कृषि ने जिले के सभी विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि प्रतिबंधित बैच का क्रय-विक्रय न करें। यदि किसी के पास उक्त बैच उपलब्ध हो तो तत्काल कृषि विभाग को सूचित करें।

किसानों ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की प्रतियां जलाईं, किया जोरदार प्रदर्शन

चित्रकूट। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के विरोध में उत्तर प्रदेश किसान सभा के बैनर तले किसानों ने प्रदर्शन करते हुए समझौते की प्रतियां जलाईं। इस दौरान किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड रूद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा आरएसएस-भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अमेरिकी कृषि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने पूर्ण आत्मसमर्पण को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि व डेयरी को मुक्त व्यापार समझौतों से बाहर रखने के सरकारी दावे झूठे साबित हो चुके हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने वाणिज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समझौते पर हस्ताक्षर हुए तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण के लिए बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए: पाराशर

भिण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जो बजट पेश किया है। वह न केवल आने वाले भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है बल्कि यह देश को नई दिशा में अग्रसर करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और इस बजट में ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं। जिनसे महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त होंगी।

यह बात भाजपा के प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर ने मंगलवार को केन्द्रीय बजट 2026-27 के प्रचार अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय पीडब्ल्यूडी कॉलोनी भिण्ड में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में कही। श्री पाराशर ने कहा कि यह बजट उस संकल्प को दर्शाता है। जिसमें न केवल महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित किया गया है बल्कि समग्र रूप से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए कई दूरगामी कदम उठाए गए हैं। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया, महिला संवाद कार्यक्रम की संभागीय प्रभारी ममता भदौरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कामना भदौरिया ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष आभा जैन ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा की जिला मंत्री रश्मि खटीक ने एवं आभार जिला कार्यक्रम प्रभारी ममता मिश्रा ने व्यक्त किया।

153 करोड़ की सिंचाई परियोजना से 41 मिनट भी नहीं हो सकी पानी की आपूर्ति

लीकेज लाइन से खेतों में भरा पानी

श्योपुर

श्योपुर जिले के 35 गांवों में पानी पहुंचाने के लिए चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना पर लगभग 153 करोड़ रुपए खर्च किए गए लेकिन यह परियोजना घटिया निर्माण कार्य के चलते फेल होती दिख रही है। परियोजना का काम इतने निम्न स्तर का हुआ है कि

इससे खेतों तक पानी पहुंचा पाना कठिन हो रहा है। प्रशासन इस फेल प्रोजेक्ट से किसानों के खेतों में सिंचाई की कोशिश कर रहा है। विगत दिनों परियोजना की टेस्टिंग के लिए पाइप लाइनों में पानी छोड़ा गया था लेकिन लीकेज के कारण पानी खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में भर गया। 153 करोड़ की इस परियोजना के तहत डाली गई लाइनों में इतने लीकेज थे कि यह परियोजना 41 मिनट भी पानी की आपूर्ति नहीं दे सकी।

किसानों में नजर आ रहा आक्रोश

सूक्ष्म सिंचाई परियोजना में किए गए निम्न स्तर के निर्माण कार्य को लेकर किसानों में भी आक्रोश नजर आ रहा है। किसानों का कहना है कि प्रशासन सिंचाई परियोजना को लेकर दो बार बैठकें आयोजित कर चुका है लेकिन इन बैठकों का कोई सुपरिणाम नहीं निकला। लाइन में इतने अधिक लीकेज हैं। जिससे खेतों तक पानी पहुंचाना फिलहाल की स्थिति में मुश्किल लग रहा है। गत दिवस एडीएम के साथ आयोजित बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा 10 दिन का समय मांगा गया था।

25 को तुलसेफ गांव में होगी 35 गांवों की महापंचायत

किसान संघ के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। किसानों की वर्षों की मांग के बाद यह परियोजना धरातल पर तो आई लेकिन इसका लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है। आगामी 25 फरवरी को तुलसेफ गांव में 35 गांवों के किसानों की महापंचायत बुलाई गई है। यहां से सभी किसान रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

जिलाधीश ने अंबाह में की जनसुनवाई

मुरैना

जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़ ने प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग तहसील मुख्यालय पर जनसुनवाई में उपस्थित रहने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में मंगलवार 10 फरवरी को अंबाह तहसील मुख्यालय पर बोर्ड परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के पश्चात जनसुनवाई की गई। इस दौरान जिलाधीश ने अंबाह-पोरसा क्षेत्र से आए कुल 18 आवेदकों की समस्या को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान जिलाधीश ने प्राप्त सभी आवेदनों का

अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर अंबाह एसडीएम रामनिवास सिकरवार, पोरसा तहसीलदार नवीन भारद्वाज, अंबाह तहसीलदार भारतेन्दु सिद्धार्थ सहित खंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर होगा शिव विवाह

मुरैना। बानमोर कस्बे में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम पर महाशिवरात्रि पर शिव विवाह का आयोजन होगा। इस दौरान बैण्ड के साथ नगर में विभिन्न मार्गों से शिव बारात निकाली जाएगी। जानकारी देते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बानमोर की संचालिका भावना बहन ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोले बाबा की बारात डीजे बैण्ड के साथ शांतिनगर केन्द्र से प्रारंभ होकर गंगाराम का पुरा, सिंधिया मार्केट, भैरव मार्केट, सदर बाजार, स्टेशन रोड, आदर्श कॉलोनी, फूलगंज आदि स्थान से होती हुई पुनः शांतिनगर केन्द्र पर पहुंचेगी। जहां शिव बाबा का विवाह की वह सभी रस्में पूरी की जाएंगी जो विवाह के दौरान संपन्न होती हैं।

रिझेटा व पिपरानी में मलेरिया सर्वेलेंस शिविर आयोजित

श्योपुर

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसएन बिंदल के निर्देशन में विकासखंड विजयपुर के ग्राम रिझेटा एवं पिपरानी में मलेरिया सर्वेलेंस शिविर का आयोजन किया गया। रिझेटा में आयोजित शिविर में 107 एवं पिपरानी में 97 कुल 204 लोगों की किट द्वारा मलेरिया की जांच की गई। शिविर के दौरान डॉ. दयाराम जाधव, एमटीएस साहिब कुरैशी, सेक्टर सुपरवाइजर राजीव शर्मा, सीएचओ पूजा राठौर, एएनएम लेखा सलाम, एफएचआई के उमेश, माखन, एलटी सतीश सहित पीएम जनमन (एमएमयू) वीरपुर की पूरी टीम, आशा सुपरवाइजर एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

शिविर में उपचार के अतिरिक्त उपस्थित ग्रामीणों को मलेरिया नियंत्रण के संबंध में विस्तार से समझाइश दी गई।

सर्वोत्तम किसान पुरस्कार से सम्मानित हुए दुर्जन यादव

शिवपुरी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना अंतर्गत मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए पशुपालन श्रेणी में सर्वोत्तम किसान पुरस्कार के लिए चयनित किसान दुर्जन सिंह यादव, ग्राम वहादुरा रामगढ़, विकासखंड बदरवास को विधायक कोलारस महेंद्र सिंह यादव द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र वितरण के अवसर पर कृषि विभाग के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक पूरन सिंह चौहान, विकासखंड बदरवास के अन्य किसान एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह सम्मान न केवल दुर्जन यादव की मेहनत को पहचान देता है, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा और उनकी आय वृद्धि में सहायक बनेगा।

सवर्ण और ब्राह्मण समाज का संयुक्त प्रदर्शन

शिवपुरी

शिवपुरी में सवर्ण समाज एवं सर्व ब्राह्मण भृगुवंश भार्गव समाज द्वारा संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया गया। तात्या टोपे पार्क से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 13 जनवरी 2026 को प्रस्तावित ड्राफ्ट रेगुलेशन का विरोध करते हुए इसे एकपक्षीय बताया। उनका कहना

है कि इससे उच्च शिक्षा में सामाजिक असंतुलन एवं भेदभाव बढ़ेगा तथा निर्णय व सुनवाई समितियों में संतुलित प्रतिनिधित्व के अभाव में सवर्ण छात्रों के अधिकारों का हनन होगा। ब्राह्मण समाज ने सेंसर बोर्ड से स्वीकृत फिल्म 'घूसखोर पंडित' पर कड़ी आपत्ति जताई। ज्ञापन में कहा गया कि फिल्म के संवाद और पात्रों से समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

संगठनों ने मांग की कि कथित जातिवादी मानसिकता से ग्रसित फिल्मों पर रोक लगाई जाए तथा ट्रस्ट ड्राफ्ट को वापस लिया जाए। मांगें नहीं माने जाने

खुले नाले को पाटने की मांग, गौवंश गिरकर हो रहे घायल

पोरसा

खुला नाला मुसीबत बना हुआ है। इस नाले में आए दिन पशु गिर जाते हैं। अक्सर देखने को मिलता है कि लोग नाले में गिरे हुए गौवंश को रस्सी के सहारे निकालते हैं। समाजसेवियों ने नगर पालिका से खुले नालों को पाटने की मांग की है।

नगर पालिका द्वारा हाल ही में भिण्ड रोड पर जो बड़ा नाला बनाया गया है। वह पाट दिया गया है। लोगों का कहना है कि बायपास एवं जोंटई रोड पर बना नाला पाटा नहीं गया है। इस खुले हुए नाले में पशु गिर जाते हैं। दरअसल नाला करीब चार से पांच फीट चौड़ा और इतना ही गहरा है। इसलिए इसमें गिरकर आवारा जानवरों की जान चली जाती है। कांग्रेस नेता राजपाल सिंह तोमर एवं व्यापार संघ के अध्यक्ष महावीर जैन का कहना है कि खुला नाला पशुओं के लिए हर समय खतरा बना रहता है। यह आम नागरिकों के लिए भी खतरा है। इसलिए इसे पाटा जाना चाहिए। सुनील सखवार जगदीशगढ़ का

कहना है कि खुले नाले से बदबू आती है इसलिए इस पाटा जानाआवश्यक है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर का कहना है कि यह समस्या हमारे संज्ञान में है। उक्त नाला हमारे कार्यकाल से पूर्व में बना था। हमारे कार्यकाल में भिण्ड रोड का नाला बना है जिसे हमने पाट दिया है। उक्त नाले को भी पाटने के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी की जाएगी।

कन्या महाविद्यालय में मनाया वार्षिक उत्सव

श्योपुर

शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय श्योपुर में वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं लक्ष्मी माहौर एवं बृजवाला नागर द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीईओ जिला पंचायत

सौम्या आनंद ने अपने उद्बोधन छात्राओं को अपना लक्ष्य का निर्धारण कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित

जौरा। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की मंगलवार को बैठक गांधी वाचनालय में संपन्न हुई। जिसमें पेंशनरों ने वर्ष 2026 में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया। बैठक में जिला एवं संभागीय पेंशन कार्यालय को भोपाल स्थानांतरित करने का विरोध किया गया। बैठक में पेंशनरों को केन्द्र के समान 58 प्रतिशत महंगाई राहत देने की मांग की गई। बैठक में महेन्द्र सिंह सिकरवार, पूरनचंद गोयल, रघुनंदन श्रीवास्तव, कृष्णगोपाल दुबे, शमशाद खान, रघुवीर सहाय श्रीवास्तव, रतनलाल त्यागी, रामबाबू शर्मा सहित अन्य पेंशनर उपस्थित थे।

अस्पताल से बाइक चोरी

जौरा। सिविल अस्पताल परिसर से बाइक चोरी का मामला सामने आया है। यहां से अज्ञात चोर बाइक चोरी कर ले गया। फरियादी ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने जौरा थाने में आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सत्य वह दौलत है जिसे पहले खर्च करो- जिंदगी भर आनंद पाओ, झूठ वह कर्ज़ है- क्षणिक सुख पाओ जिंदगी भर चुकाते रहो

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत अपनी संस्कृति, आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता,परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूठ के पीछे सव झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है।

साथियों बात अगर हम सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र की करें तो,सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम ज़रूर जोड़तेहैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते।

साथियों बात अगर हम सत्यमेव जयते इसकी करें तो हम अनेक शासकीय,अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख ज़रूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है।

साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन!

साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएगें तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगें परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेगें। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए?? साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो,सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जैसा देखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। इसलिए इसमें मतभेद की संभावना बनी रहती है।ईमानदार और न्यायवादी व्यक्ति ही सत्य का पालन करता है।यह देखा गया है कि जो लोग ईमानदार होते हैं वह सदैव सच बोलते हैं। झूठे बेईमान और मक्कार लोग सदैव असत्य का फायदा लेकर अपना काम बनाते हैं। हम ऐसे लोगों से बचना चाहिए जो अपने फायदे के लिए (झूठ) असत्य बोलते हैं।सत्य का अर्थ है 'सते हितम्' अर्थात् जिसमें हित या कल्याण निहित हो। सत्य भूत, भविष्य एवं वर्तमान तीनों काल में एक सा रहता है तथा इससे यथार्थ का ज्ञान होता है। साधारण बातचीत में जो सच है, यथार्थ है उसे जानना, समझना, मानना, कहना एवं उसके अनुसार ही व्यवहार करना सत्य है। मानव बोध में सत्य के प्रति श्रद्धा एवं असत्य के प्रति घृणा स्वाभाविक रूप से पाई जाती है।मनुष्य जीवन के लिए सत्य सबसे बड़ी शक्ति हैं।जीवन तथा संसार के सत्य की तलाश कर उसे जीवन में अपनाना मानव मात्र का मूल उद्देश्य हैं।हमारी संस्कृति में सत्य को बड़ा महत्व दिया गया हैं।इस सम्बन्ध में एक महापुरुष ने ठीक ही कहा कि सत्य परेशान हो सकता है मगर पराजित नहीं. भारत की भूमि पर हरिश्चन्द्र जैसे राजा हुए जिनकी सत्यनिष्ठा के चलते वे सत्यवादी कहलाए।सत्य के रास्ते पर चलकर व्यक्ति बड़ी-बड़ी समस्या का समाधान आसानी से कर सकता है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर अपना और अपने परिवार का भला किया है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर दुनिया को बदला है । सत्य बोलने से व्यक्ति को सभी सम्मान देते हैं।ऐसा कहा जाता है कि तीन चीजें छुपाए नहीं छुपती- सूरज, चंद्रमा और सत्य। जो लोग सत्य का, न्याय का पक्ष लेते हैं उनकी प्रशंसा सभी लोग करते हैं।सत्य का साथ देने वालों को इतिहास स्वर्णिम पन्नों पर दर्ज करता है। परंतु जो लोग झूठ,असत्य का साथ देते हैं उनकी चारों ओर आलोचना होती है।किसी ने खूब ही कहा है कि

चन्द्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार।'पै दृढ़ हरिश्चन्द्र को टरै न सत्य विचार।.. सांच बराबर तप नहीं, झूंठ बराबर पाप।

जाके हृदय सांच है, ताके हृदय आप

किसी ने धर्म के दस लक्षण बताए हैं, जिनमें सत्य भी प्रमुख स्थान रखता है।

'धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः। धीविद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।'

अर्थात् धैर्य, क्षमा, संयम, अस्तेय (चोरी न करना), शौच (अंतर्मन और शरीर की पवित्रता), इन्द्रिय निग्रह (इन्द्रियों से धर्म सम्मन आचरण), धी (सत् बुद्धि), विद्या, सत्य एवं अक्रोध यानी हमेशा शांत रहना।

अतः अगर हम पूरे उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे के सत्य व दौलत है जिसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिसमें सैनिक सुख पाओ फिर जिंदगी भर जो करते रहो और सच्चाई की राह सुखद जीवन के लिए एक विनियोग है तथा झूठ का गंतव्य दुखी जीवन की चरम सीमा है।

विचार मंथन

ताकि दुबारा न हो सूरजकुंड जैसे हादसे!

फरीदाबाद में आयोजित 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव 2026 के दौरान शनिवार, 7 फरवरी 2025 की शाम एक गंभीर हादसा हुआ, जब मेले में लगे एक झूले के टूटने से 13 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना में झूला परिसर के सिक्योरिटी इंचार्ज इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई, जबकि सात घायलों की हालत गंभीर बताई गई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हादसा शाम करीब सवा छह बजे हुआ, जब झूले पर 19 लोग सवार थे और झूला तेज गति से ऊपर-नीचे झूल रहा था। अचानक एक सिरे से झूला टूट गया, जिससे वह जमीन से दो-तीन फुट ऊपर हवा में लटक गया, जबकि दूसरा सिरा ऊपर ही बना रहा। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद दुकानदारों और पुलिसकर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद भी झूले पर फँसे लोगों को सुरक्षित उतारने में जुटे थे। कई लोगों को नीचे उतारा जा चुका था और कुछ को उतारा जा रहा था, तभी झूले का दूसरा सिरा भी टूट गया और पूरा ढांचा जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान कई लोग झूले की चपेट में आ गए और इंस्पेक्टर को गंभीर चोटें आईं। घायलों में से नौ लोगों को पास के निजी अस्पताल और चार लोगों को बीके अस्पताल ले जाया गया, जहां निजी अस्पताल में इलाज के दौरान इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई। इस हादसे को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री ने दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया तथा पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। हालांकि, यह घटना एक बार फिर इस सवाल को सामने लाती है कि प्रशासन और सरकार आमतौर पर किसी बड़े हादसे के बाद ही सक्रिय क्यों होती है। अक्सर जांच को तकनीकी खराबी या किसी कर्मचारी की लापरवाही तक सीमित कर दिया जाता है और यदि मामला अधिक तूल पकड़ ले तो निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर दी जाती है, जबकि उच्च स्तर के जिम्मेदार अधिकारी बच निकलते हैं। इसी कारण हादसों के मूल कारण समाप्त नहीं हो पाते और ऐसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाती हैं।

सूरजकुंड मेले में झूला टूटने की यह घटना भी कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण प्रतीत होती है। मनोरंजन के लिए आए लोगों ने कभी नहीं सोचा होगा कि झूले पर बैठना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है। हादसे के बाद झूला संचालक और एक कर्मचारी की गिरफ्तारी जरूर हुई, लेकिन केवल इतनी कार्रवाई से भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगेगी, इस पर भरोसा करना कठिन है। असल सवाल यह है कि झूले को चलाने से पहले उसकी सुरक्षा जांच ठीक से हुई थी या नहीं और मेले की अनुमति देते समय सभी झूलों और गतिविधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी।

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक-सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पार्षद बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

चिंतन मनन

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकषर्ण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाज़े खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव

कांतिलाल मांडोत

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो?जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को ढक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है।

असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है।

मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए।

डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है।

बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं।

डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है।

अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है।

सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है।

शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है।

दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है। जब बच्चे को यह भरोसा मिले कि वह अपने अंकों से बड़ा है, उसकी काबिलियत एक परीक्षा में नहीं समा सकती, तब उसकी रीढ़ सीधी हो जाती है। परीक्षा फिर डर नहीं रहती, वह खुद को परखने और बेहतर बनने का अवसर बन जाती है। अगर हम सब माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर अपेक्षाओं का बोझ थोड़ा हल्का कर दें, तो बच्चे मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में कदम रखेंगे।

परीक्षा तब उत्सव बनेगी, जब हम उसे सीखने की यात्रा का पड़ाव मानेंगे, मंजिल नहीं। जब बच्चे के मन से भय हटेगा, तब ज्ञान अपने आप खिल उठेगा। यही वह बदलाव है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि दसवी, गुरुवार, ज्येष्ठा नक्षत्रे, हल योगे, विव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, दोपहर बाद धनु की चंद्रमा भद्रा 12/14 मुंडन धान्यछेदन लघु वृक्षारोपण शिल्पकार, विद्या व्यापार मुर्हूत सुबह उत्तर दिशा की यात्रा शुभ, 11 बजे से पूर्व दिशा की यात्रा उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, बुद्धिमान, उत्तम वृत्ति वाला, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, उत्तम वृत्ति वाला होगा।

मेष राशि :- व्यापार में बाधा, स्वभाव में खिन्नता तथा दुःख, अपवाद, कष्ट अवश्य होगा।

वृष राशि :- किसी आरोप से बचें, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन राशि :- कार्य योजना पूर्ण होगी, धन का लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य होगा।

कर्क राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार होगा, कार्य व्यवस्था बनी रहेगी।

सिंह राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधार होगा, चिन्तायें अवश्य कम होंगी।

कन्या राशि :- मान-प्रतिष्ठा में व्यथा बनेगी, स्त्री से तथा स्त्री वर्ग से सुख-समृद्धि की स्थिति बनेगी।

तुला राशि :- अग्नि-चोटादि का भय, व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय, कार्य होगा, बने कार्य रुकेंगे।

वृश्चिक राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, मान-प्रतिष्ठा, चिन्ता, उद्विघ्नता तथा भय बना ही रहेगा।

धनु राशि :- विवादग्रस्त होने से बचिये, तनाव, क्लेश से मानसिक अशांति का वातावरण बनेगा।

मकर राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, घर में सुख-शांति बनेगी।

कुंभ राशि :- भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, समय उत्साहवर्धक होगा, मानसिक शांति रहेगी।

मीन राशि :- व्यवसाय में बाधा कारक स्थिति बनेगी, मन में उद्विघ्नता रहेगी, धन हानि होगी।

'घूसखोर पंडित' से पहले भी कई फिल्मों के बदलने पड़े हैं टाइटल

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपने नाम के चलते विरोध के केंद्र में आ गई है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद गहरा गया है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर आधारित है, जिसे लोग 'घूसखोर पंडित' के नाम से जानते हैं।

इसी नाम को लेकर सोशल मीडिया और कई संगठनों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि शीर्षक किसी विशेष जाति को निशाना बनाता है, इसलिए इसे बदलना चाहिए। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी फिल्म के नाम या थीम को लेकर इतना विवाद उठ खड़ा हुआ है। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों को विरोध, कानूनी नोटिस और सेंसरशिप की मांगों के चलते अपना टाइटल बदलना पड़ा है। हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं। साल 2023 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का मूल नाम 'सत्यनारायण की कथा' था।

धार्मिक भावनाएं आहत होने के आरोप लगने के बाद मेकर्स ने नाम बदलना पड़ा। इसी तरह 2020 में अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' को भी केवल 'लक्ष्मी' करना पड़ा, जब देवी लक्ष्मी के नाम के साथ 'बॉम्ब' शब्द जोड़ने पर आपत्ति जताई गई और राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। अजय देवगन की फिल्म 'थैंक गॉड' भी विवादों से अछूती नहीं रही। फिल्म में अजय का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित था, लेकिन देवता का मजाक उड़ाने के आरोप में विरोध बढ़ा तो टीम ने नाम बदलकर किरदार को केवल 'सीजी' कर दिया।

इसी तरह सलमान खान प्रोड्यूस्ड फिल्म 'लवरात्रि' को भी नवरात्रि से मिलते-जुलते नाम पर उठे विवाद के बाद 'लवयात्री' करना पड़ा। संजय लीला भंसाली की चर्चित फिल्म 'पद्मावती' 2018 में उग्र विरोध के बाद 'पद्मावत' बनकर रिलीज हुई। करणी सेना ने ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ और रानी पद्मावती के चरित्र के गलत चित्रण का आरोप लगाया था। नाम बदलने के साथ कुछ दृश्यों को भी हटाया गया। भंसाली की ही एक और फिल्म 'रामलीला' को अपने मूल नाम पर विरोध झेलना पड़ा, जिसके बाद इसे 'गोलियों की रासलीला रामलीला' के नाम से दर्शकों तक पहुंचाया गया।

संघर्ष के दिन याद किया सुभाष घई ने

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कालिचरण' ने अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की दुर्लभ तस्वीरें साझा कर पुराने दिनों को याद किया। सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'कालिचरण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रही है। तस्वीरों में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और फिल्म की पूरी टीम नजर आ रही है, जिसने एक युग के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। सुभाष घई ने भावुक होते हुए लिखा कि आज से ठीक 50 साल पहले उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। 'मेरी पहली निर्देशकीय फिल्म 'कालिचरण' रिलीज हुई थी। उस दिन मैं बहुत घबराया हुआ था, क्योंकि उससे पहले मैंने अभिनय और दूसरों के लिए पटकथा लिखने में पूरे 10 साल संघर्ष किया था।' निर्देशक ने कहा कि फिल्म की सफलता ने उनका करियर नया मोड़ दिया और उन्हें पहचान दिलाई, जिसके बाद उनका फिल्मी सफर लगातार आगे बढ़ता गया।

उन्होंने 'कालिचरण' की पूरी टीम के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। सुभाष ने लिखा कि वह आज भी निर्माता, कलाकार, सह-लेखक और तकनीकी टीम के आभारी हैं, जिन्होंने उस समय उन पर भरोसा किया जब उन्हें निर्देशन का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने कहा कि उन सभी की मेहनत और विश्वास ने ही 'कालिचरण' को यादगार फिल्म बनाया और उन्हें एक सफल निर्देशक बनने का मौका दिया। 1976 में रिलीज हुई इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म ने न केवल सुभाष घई को निर्देशक के रूप में स्थापित किया, बल्कि शत्रुघ्न सिन्हा के करियर में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, अजीत और डैनी डेन्जोंगपा अहम किरदारों में नजर आए थे।

कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के हमशक्ल अपराधी को सुधारकर खतरनाक विलेन 'लायन' तक पहुंचने पर आधारित थी। यह प्लॉट उस समय दर्शकों के लिए नया और रोमांचक था, जिसने फिल्म को बड़ी हिट बना दिया। 'कालिचरण' शत्रुघ्न सिन्हा के करियर की पहली बड़ी सफलता मानी जाती है। उनका 'शॉटगन' अंदाज दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय हुआ। वहीं रीना रॉय के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी चर्चा में रही। फिल्म के गाने, खासकर 'जा रे जा ओ हरजाई', लंबे समय तक दर्शकों की जुबान पर चढ़े रहे। फिल्म की शानदार सफलता ने सुभाष घई को बॉलीवुड के सबसे सफल और प्रभावशाली निर्देशकों में शामिल कर दिया।

थिएटर कम होने से फिल्में नही कर पाती पूरी कमाई: आमिर खान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने देश में सिनेमा हॉल की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। एक इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा कि भारत में थिएटरों की संख्या बहुत कम है, जिसकी वजह से बड़ी फिल्मों को भी अपनी पूरी क्षमता के मुताबिक बॉक्स ऑफिस कमाई हासिल नहीं हो पाती। आमिर ने अपनी बातें रखते हुए अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे ज्यादा स्क्रीन मिलने पर भारतीय फिल्मों की कमाई कई गुना बढ़ सकती है।

आमिर खान ने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां लगभग एक लाख से ज्यादा सिनेमा स्क्रीन मौजूद हैं, जबकि भारत में अभी मुश्किल से 9,000 के आसपास स्क्रीन हैं। उन्होंने कहा, 'हम आउटलेट्स के मामले में चीन के दसवें हिस्से जितने भी नहीं हैं। चीन में जब कोई बड़ी फिल्म रिलीज होती है, तो वह अकेले अपने देश में ही दो बिलियन अमेरिकी डॉलर तक कमा लेती है। इतनी बड़ी कमाई सिर्फ उनके बॉक्स ऑफिस की ताकत से आती है।' उन्होंने आगे कहा कि भारत में इतने सीमित थिएटर होने के कारण फिल्मों की कमाई रुक जाती है।

आमिर ने कहा, 'पिछले साल चीन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एनई झेडएचए 2 ने लगभग 2 बिलियन डॉलर सिर्फ चीन में कमाए।

इसके मुकाबले भारत की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर' ने देश में सिर्फ 115 मिलियन डॉलर और दुनिया भर में 150 मिलियन डॉलर से कम कमाए। यह फर्क सिर्फ स्क्रीन की संख्या का है।'

धुरंधर का उदाहरण देते हुए आमिर ने कहा कि अगर यह फिल्म 5,000 की बजाय 15,000 स्क्रीन पर रिलीज होती, तो इसकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती थी। उन्होंने कहा, 'धुरंधर ने लगभग 1,000 करोड़ रुपये कमाए और 4 करोड़ टिकट बेचे। सोचिए, अगर हमारे पास चीन जितनी स्क्रीन होतीं, तो भारतीय फिल्मों की कमाई दुनिया के किसी भी देश से आसानी से टक्कर ले सकती थी। देश में आज भी कई जिले ऐसे हैं, जहां एक भी सिनेमा हॉल नहीं है।' रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' को आदित्य धर ने निर्देशित किया है और यह अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल है।

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं?: एकता कपूर

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं।

एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेश्कर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है।

साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्होंने नागिन सीरीज के कई सीजन प्रोड्यूस किए हैं, जो टेलीविजन पर काफी लोकप्रिय हुए। इन दिनों नागिन 7 टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रियंका चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं।

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि सतीश पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और ज़रूरत से ज्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है।

अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

वध 2 ने किया 50 लाख रुपए का कलेक्शन

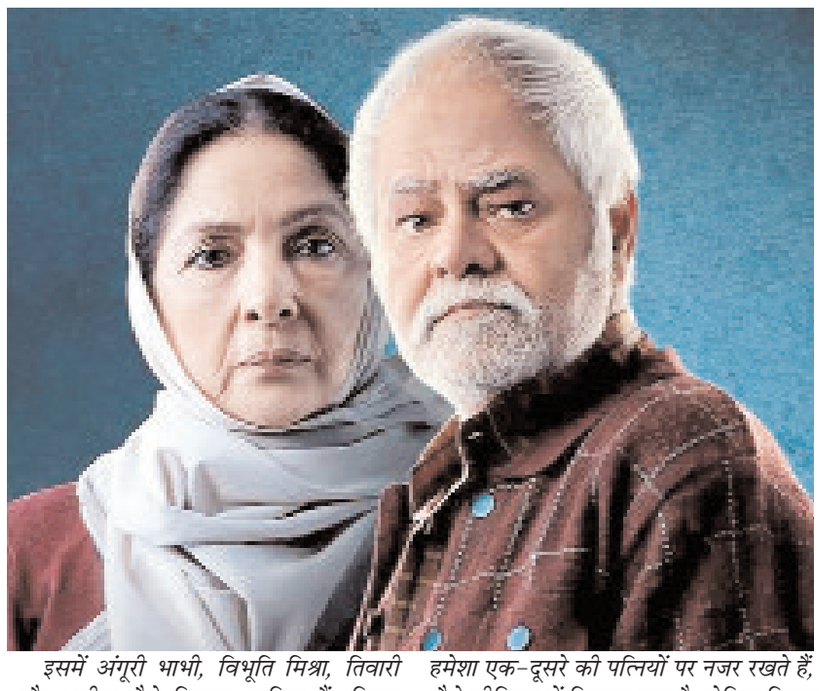

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्म वध 2 ने पहले दिन शानदार ओपनिंग की, वहीं भाभीजी घर पर हैं पिछड़ गई। दोनों फिल्मों वध 2 और भाभीजी घर पर है! साथ में रीलिज हुई। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, वध 2 ने पहले दिन लगभग 50 लाख रुपए का कलेक्शन किया है, जबकि भाभीजी घर पर हैं केवल 25 लाख रुपए ही जुटा पाई।

वध 2 फिल्म पिछले साल की हिट क्राइम-थ्रिलर वध का सीक्वल है। कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी शंभू नाथ मिश्रा (संजय मिश्रा) और उनकी पत्नी मंजू (नीना गुप्ता) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लंबे समय से जेल की सजा काट रहे हैं। शंभू नाथ अपने बेटे की पढ़ाई और कर्ज चुकाने के लिए जेल से सब्जियां चोरी कर बेचता है, जबकि मंजू का जीवन जेल में बीत रहा है। कहानी में जेल की नई परिस्थितियों, भ्रष्टाचार और जातिवाद की झलक भी है। फिल्म में जेल के बिगड़ैल कैदी केशव (अक्षय डोगरा) और महिला कैदी नैना (योगिता बिहानी) के बीच संबंध और घटनाओं की जटिलता कहानी को आगे बढ़ाती है। निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने इसे बेहद संवेदनशील अंदाज में पेश किया है। कहानी ट्विस्ट और सस्पेंस के जरिए दर्शकों को बांधे रखती है। वहीं, भाभीजी घर पर हैं! की बात करें, तो यह टीवी के लंबे समय से पॉपुलर सिटकॉम पर आधारित है।

इसमें अंगूरी भाभी, विभूति मिश्रा, तिवारी और अनीता जैसे किरदार शामिल हैं। फिल्म की शुरुआत टीवी सीरियल के परिचित किरदारों से होती है। कहानी में दिखाया गया है कि विभूति मिश्रा (आसिफ शेख) अपनी पड़ोसी अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे) को उत्तराखंड लेकर आता है। विभूति और तिवारी हमेशा एक-दूसरे की पत्नियों पर नजर रखते हैं, जैसे सीरियल में दिखाया गया है, लेकिन फिल्म में इसे बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है। इसी बीच कहानी में कुछ नए किरदार जुड़ते हैं। शांति (रवि किशन) एक दबंग व्यक्ति है, जो अंगूरी भाभी पर दिल हार बैठता है।

पान की दुकान कर देगा झूमने को मजबूर

बॉलीवुड फिल्म ओ रोमियो में लीड रोल कर रहे अभिनेता शाहिद कपूर ने मुंबई में एक इवेंट के दौरान फिल्म का नया गाना पान की दुकान रिलीज किया। फैंस को शाहिद का यह गाना काफी पसंद आ रहा है। सॉन्ग पान की दुकान एक हाई-एनर्जी वाला डांस नंबर है, जिसमें शाहिद कपूर का स्वैग और डांस स्टेप्स कमाल के हैं।

गाने में उनके डांस मूव्स दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। यह गाना इतना जबरदस्त है कि इसे सुनकर हर कोई झूमने को मजबूर हो जाए। वहीं, गाने में दिशा की मौजूदगी ने चार चांद लगा दिए हैं। गाने में उनकी ग्रेसफुल और ग्लैमरस परफॉर्मेंस फैंस को और भी ज्यादा भा रही है। गाने को सुखविंदर सिंह और रेखा भारद्वाज ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स गुलजार साहब ने लिखे हैं और विशाल भारद्वाज ने इसका संगीत तैयार किया है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रस्तुत कर रहे हैं और प्रोडक्शन नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की तरफ से है। फिल्म में शाहिद के अलावा, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में शाहिद ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का किरदार निभाया है। वहीं, सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। बता दें कि फिल्म की रिलीज को लेकर काफी विवाद चल रहा है। दरअसल, हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने कोर्ट में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए याचिका दायर की। उनका कहना है कि फिल्म में शाहिद कपूर के किरदार हुसैनन उस्तारा शेख उनके पिता से प्रेरित है। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता के बारे में गलत तरीके से बताया गया है। हालांकि फिल्म निर्माता सनोबर शेख के इस दावे को सिरे से नकार चुके हैं।

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा: शाल्मली

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है,

जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है।

बांग्लादेश में मतदान के एक दिन पहले हुई झड़प में नेता की आंख निकाली, सदमे से मां ने तोड़ा दम

ढाका

बांग्लादेश के बोगुरा जिले के नंदीग्राम उपजिले में चुनावी रंजिश और हिंसा का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कल यानी 12 फरवरी को होने वाले मतदान से ठीक पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प में न केवल छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए, बल्कि नफरत इस कदर हावी हुई कि एक नेता की आंख ही निकाल दी गई। इस वीभत्स घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त है और राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

घटनाक्रम के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7:30 बजे परशुन गांव में उस समय विवाद शुरू हुआ था जब जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता चुनाव प्रचार कर रहे थे। मौके पर मौजूद बीएनपी समर्थकों ने उन पर मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसे बांटने का आरोप लगाया। यह आरोप-प्रत्यारोप देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि बीएनपी कार्यकर्ताओं ने जमात के कुछ लोगों को पकड़ लिया और उन्हें स्थानीय नेता मसूद राना के घर ले गए। इसके कुछ ही देर बाद, अपने साथियों को छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में जमात कार्यकर्ता मसूद राना के घर पर धावा बोल दिया। इस हमले के दौरान हुई बर्बरता ने सबको हैरान कर दिया। बीएनपी उम्मीदवार मोशर्रफ हुसैन ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि हमलावरों ने मसूद राना की दाहिनी आंख फोड़कर निकाल दी। मसूद को तत्काल बोगुरा के शहीद जियाउर रहमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मसूद की आंख की हड्डी टूट चुकी है और उनकी रोशनी वापस आने की संभावना बहुत कम है। उन्हें बेहतर उपचार के लिए ढाका स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी रेफर कर दिया गया है। इस हिंसा का दुखद पहलू केवल यहीं तक सीमित नहीं रहा। मोशर्रफ हुसैन ने दावा किया कि अपने बेटे के साथ हुई इस भयानक दरिंदगी की खबर सुनते ही मसूद राना की मां, राबेया की तबीयत बिगड़ गई और सदमे के कारण उनकी मौत हो गई। उनके पैतृक घर में नमाज-ए-जनाजा अदा की गई है, जिससे पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। दूसरी ओर, जमात के उम्मीदवार मोस्तफा फैसल ने वोट खरीदने के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने जवाबी आरोप लगाते हुए कहा कि बीएनपी कार्यकर्ताओं ने बिना किसी उकसावे के उनके लोगों पर हमला किया, जिसमें उनके भी दो कार्यकर्ता घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने घटना की पुष्टि की है, लेकिन मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विस्तृत जानकारी देने से बच रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और शांति व्यवस्था बनाए रखने में जुटी है।

आर्थिक संकट की आहट के बीच जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाची के सामने कई चुनौतियां

टोक्यो। जापान में नई सरकार के साथ साथ नई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। जापान में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों ने न केवल देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर जापान की छिपी हुई आर्थिक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता सनाए तकाची ने इन चुनावों में 75.7 फीसदी सीटों पर ऐतिहासिक कब्जा जमाकर जबरदस्त जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी भी जापानी नेता को मिला यह अब तक का सबसे बड़ा जनादेश है। हालांकि, यह जीत जितनी भव्य है, नई सरकार के सामने खड़ी आर्थिक चुनौतियां उतनी ही विकराल हैं। दुनिया अब तक जापान को केवल एक आर्थिक रोल मॉडल और तकनीक के गढ़ के रूप में देखती आई है, लेकिन इस चुनाव और इसके बाद की घोषणाओं ने वहां की अर्थव्यवस्था की एक बेहद पिछड़ी और संकटग्रस्त तस्वीर पेश की है। ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जापान वर्ष 1960 से 1980 के बीच एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनकर उभरा था। 90 के दशक तक जापान की जीडीपी ग्रोथ जी-7 देशों के मुकाबले काफी तेज थी, लेकिन इसके बाद से ही अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा। 60 और 80 के दशक के बीच जहाँ जापान की विकास दर 16.4 फीसदी से 17.9 फीसदी के बीच रही थी, वहीं साल 2010 से 2024 के बीच यह गिरकर शून्य से भी 2.4 फीसदी नीचे चली गई है। यानी वर्तमान में जापान एक गंभीर मंदी के दौर से गुजर रहा है। जापान इस समय आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। एक तरफ जीडीपी विकास दर नकारात्मक है, तो दूसरी तरफ सरकारी कर्ज का बोझ जीडीपी के मुकाबले 230 फीसदी के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। यह दशकों से चले आ रहे घाटे वाले खर्चों का परिणाम है।

असम में 2006 के मुकाबले तीन गुना हुए बाघ: हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में वन्यजीव संरक्षण को लेकर बड़ी उपलब्धि गिनाते हुए कहा है कि वर्ष 2006 में जहां असम में बाघों की संख्या सिर्फ 70 थी, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 227 हो गई है। मुख्यमंत्री ने इसे मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज असम देश के सबसे सुरक्षित प्राकृतिक आवासों में शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम न केवल एक सींग वाले गैंडे के लिए, बल्कि विविध वन्यजीव प्रजातियों के लिए भी सुरक्षित ठिकाना बनकर उभरा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य की जनता को देते हुए कहा कि लोगों के सहयोग और सामुदायिक भागीदारी के बिना यह संभव नहीं था।

शायद गलत जानकारी है राज ठाकरे की पोस्ट पर नितेश राणे का पलटवार

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम को लेकर किए गए एक्स पोस्ट पर मंत्री नितेश राणे ने पलटवार किया है। नितेश राणे ने कहा कि राज ठाकरे गुट को शायद गलत जानकारी मिली है। सरसंघचालक मोहन भागवत के खिलाफ एक्स पोस्ट करने में जितना साहस राज ठाकरे ने दिखाया, उतना ही साहस उन्हें मालेगांव मामले में भी दिखाना चाहिए था। मंत्री नितेश राणे ने कहा, मैं मानता हूं कि सलमान खान, उद्धव ठाकरे से ज्यादा हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे में राहुल गांधी के सामने भी अपने पिता को हिंदू हृदय सम्राट कहने का साहस नहीं है।

भारत और ब्रिटेन ने सामाजिक सुरक्षा योगदान समझौते पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। भारत और ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड के ब्रिटेन के बीच सामाजिक सुरक्षा योगदान को लेकर एक समझौते पर मुहर लगी है। विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह समझौता दोनों देशों के बीच टैलेंट की मोबिलिटी को समर्थन करेगा। विदेश मंत्रालय ने एक्स परलिखा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और भारत गणराज्य में ब्रिटिश हाई कमिश्नर लिंडी कैमरून सीबी ओबीई ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत गणराज्य की सरकार और यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड उत्तरी आयरलैंड की सरकार के बीच सामाजिक सुरक्षा सहयोग से जुड़े सोशल सिक्योरिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

बलूचिस्तान में टैंकों के साथ घुसी पाकिस्तानी सेना

क्वेटा । बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों और पाकिस्तानी सेना के बीच तनाव जारी है। इस बीच स्थानीय मीडिया ने जानकारी साझा की है कि बलूच विद्रोहियों के साथ जानलेवा झड़प के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ बलूचिस्तान के नुश्की में घुस गए और सुरक्षा बढ़ा दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने ऑपरेशन जारी रहने पर पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया। और दुकानें बंद रखने और लोगों को घर के अंदर रहने के लिए कहा है। स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नोश्की में चल रहे कर्फ्यू और सुरक्षा ऑपरेशन के बीच बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के नेता बशीर जेब बलूच के पुश्तैनी घर को गिरा दिया।

स्पीकर को हटाने की असली प्रक्रिया :118 सांसदों के हस्ताक्षर और 14 दिन की परीक्षा

विपक्षी दलों ने स्पीकर पर पक्षपात करने के लगाए हैं आरोप

कुर्सी अडिग या संकट में? लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का सच

नई दिल्ली

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के बाद संसद के भीतर और बाहर यह बहस तेज हो गई है कि आखिर किसी लोकसभा स्पीकर को उसके पद से हटाने की प्रक्रिया क्या है और क्या भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा कभी सफलतापूर्वक हो पाया है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने स्पीकर पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने और विपक्ष की आवाज़ दबाने के आरोप लगाए हैं।

विपक्ष के अनुसार, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति न दिए जाने और सांसदों के निलंबन की घटनाओं ने संसदीय मर्यादाओं पर सवाल खड़े किए हैं। इसी पृष्ठभूमि में स्पीकर के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंपा गया है, जिस पर 118 सांसदों के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं।

क्या कहता है संविधान

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 94 में लोकसभा स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के पद से हटाए जाने की प्रक्रिया स्पष्ट रूप से निर्धारित है। अनुच्छेद 94(सी) के अनुसार, लोकसभा अपने कुल तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से प्रस्ताव पारित कर स्पीकर या डिप्टी स्पीकर को पद से हटा सकती है। हालांकि, यह प्रक्रिया सामान्य अविश्वास प्रस्ताव से कहीं अधिक सख्त और औपचारिक मानी जाती है।

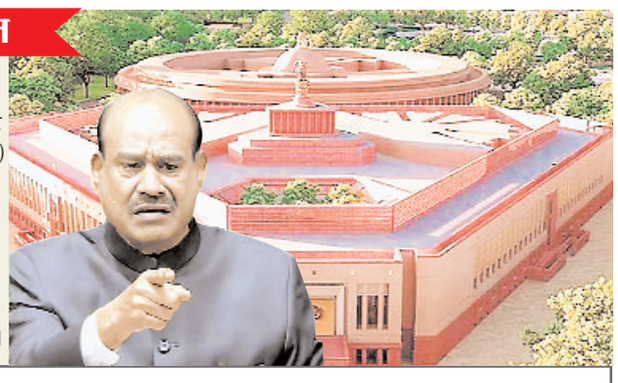

50 सांसदों का समर्थन अनिवार्य

लोकसभा के कार्यप्रणाली नियमों के अनुसार, स्पीकर को हटाने से संबंधित किसी भी प्रस्ताव पर तभी विचार किया जा सकता है जब उसे कम से कम 50 लोकसभा सदस्यों का समर्थन प्राप्त हो। यदि यह न्यूनतम संख्या पूरी नहीं होती, तो प्रस्ताव प्रारंभिक चरण में ही गिर जाता है। प्रस्ताव में लगाए गए आरोपों को भी एक निर्धारित मर्यादा में रखा जाना जरूरी होता है। नियमों के अनुसार, आरोप स्पष्ट, सटीक और तथ्यपरक होने चाहिए। उनमें तर्क, अनुमान, व्यंग्य या अपमानजनक भाषा की अनुमति नहीं होती।

बहस, मतदान और स्पीकर की भूमिका

जब प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है और कार्यसूची में शामिल कर लिया जाता है, तब उसकी चर्चा के लिए तारीख तय की जाती है, जो नोटिस की तिथि से कम से कम 14 दिन बाद होती है। आमतौर पर प्रस्ताव स्वीकार होने के 10 दिनों के भीतर बहस और मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि जब स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव सदन में विचाराधीन होता है, तो स्पीकर स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकता, भले ही वह सदन में उपस्थित हो। इस दौरान वे बहस में भाग ले सकते हैं और अपना पक्ष रख सकते हैं। स्पीकर को पहली बार मतदान करने का अधिकार भी होता है, लेकिन मत बराबर होने की स्थिति में निर्णायक मत (कास्टिंग वोट) देने का अधिकार नहीं होता।

अंतत:, प्रस्ताव को पारित होने के लिए लोकसभा की इफेक्टिव मेजॉरिटी, यानी खाली सीटों को छोड़कर सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत का समर्थन प्राप्त होना आवश्यक होता है।

क्या कहता है संसदीय इतिहास?

भारतीय संसदीय इतिहास में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब तक कोई भी प्रस्ताव सफल नहीं हो पाया है।

1954 में पहली बार तत्कालीन स्पीकर जी.वी. मावलंकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जिसे बहस के बाद सदन ने खारिज कर दिया।

1966 में स्पीकर हुकम सिंह के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया, लेकिन इसे आवश्यक 50 सांसदों का समर्थन नहीं मिला और यह प्रारंभिक चरण में ही गिर गया।

1987 में बलराम जाखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, जिसे विस्तृत बहस के बाद अस्वीकार कर दिया गया।

इसके अलावा, 1967 में डॉ. नीलम संजीव रेड्डी, 2001 में जी.एम.सी. बालयोगी, 2011 में मीरा कुमार और 2020 में ओम बिरला के खिलाफ भी नोटिस दिए जाने की चर्चाएं हुईं, लेकिन ये प्रस्ताव कभी निर्णायक चरण तक नहीं पहुंच सके।

क्यों लाया गया मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव?

विपक्ष का आरोप है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी को अपना भाषण पूरा करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हुए हंगामे के बीच कांग्रेस के सात सांसदों समेत कुल आठ सांसदों को निलंबित कर दिया गया। विपक्ष इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बता रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि स्पीकर पर सरकार का दबाव है और इसी कारण उन्हें बार-बार सफाई देनी पड़ रही है। वहीं, सरकार और सत्तापक्ष इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बता रहे हैं। लोकसभा स्पीकर को हटाने की प्रक्रिया संविधान द्वारा बेहद सोच-समझकर बनाई गई है, ताकि इस संवैधानिक पद की गरिमा बनी रहे। इतिहास गवाह है कि यह प्रक्रिया जितनी स्पष्ट है, उतनी ही कठिन भी। ऐसे में मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव का परिणाम चाहे जो हो, यह तय है कि यह मामला भारतीय संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक विमर्श में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा।

कर्नाटक कांग्रेस में अंतर्कलह, डीके का दावा

हमारे पास है 136 का आंकड़ा 80-90 विधायकों का समर्थन

रामनगर

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में जारी अंतर्कलह दिनों दिन बढ़ती जा रही है। हाल ही में कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने अपने पिता सिद्धारमैया को लेकर कहा था कि वो पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि सीएम बदलने का मुद्दा अब खत्म हो गया है। इस बीच अब कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि पार्टी के 80 से 90 विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का नाम हाई कमान को दिया है। इकबाल हुसैन ने कहा, हमने यह मामला हाई कमान पर छोड़ दिया है। 80-90 विधायकों ने शीर्ष नेतृत्व से डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के लिए मौका देने का अनुरोध किया है। हम एक अनुशासित पार्टी हैं और हमें शालीनता से व्यवहार करना होगा। हमें यह पसंद नहीं है कि वह (यतींद्र सिद्धारमैया) बार-बार अपने पिता के पक्ष में बोलकर आलाकमान को शर्मिंदा कर रहे हैं।

शिवकुमार के बयान सियासी हलचल तेज

इधर, दिल्ली पहुंचने के बाद डिप्टी सीएम शिवकुमार ने अपने समर्थक विधायकों के आंकड़े मीडिया को बता दिए। उनके दिल्ली पहुंचने पर जब मीडिया ने कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन के 80 से 90 विधायकों के समर्थन के दावे पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरे पास 136 का आंकड़ा है। ऐसे में डिप्टी सीएम के बयान से सियासी हलचल तेज होना लाजमी है। पिछले हफ्ते यतींद्र सिद्धारमैया ने कहा था कि कांग्रेस हाई कमान ने सिद्धारमैया को पूरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहने की हरी झंडी दे दी है। वहीं यतींद्र के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि ऐसे बयान पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं।

ग्लोबल साउथ में पहली बार एआई समिट

भारत के विजन को आगे बढ़ाने मिलेगी मदद, 16 को प्रधानमंत्री करेंगे आगाज

नई दिल्ली

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से लेकर 20 फरवरी तक भारत-एआई इम्पेक्ट समिट का आयोजन होगा। इस समिट में दुनियाभर के देशों से प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला एआई समिट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट का आगाज करेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के विकास सफर, गवर्नेंस को मजबूत करने और पब्लिक सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में एक अहम भूमिका निभाता है। यह बड़े पैमाने पर सबको साथ लेकर चलने वाले विकास को समर्थन करता है और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण से मेल खाता है। भारत की भाषा और सांस्कृतिक विविधता इसे अलग-अलग लोगों की जरूरतों के हिसाब से कई भाषाएं और कई मॉडल वाले एआई सिस्टम को आगे बढ़ाने की खास जगह देती है।

दुनिया भर के दिग्गज करेंगे शिरकत

इसमें दुनिया भर के नेता, नीति बनाने वाले, इंडस्ट्री और एक्सपर्ट शामिल होंगे ताकि गवर्नेंस, नवाचार और स्थिर विकास के लिए एआई की बदलाव लाने वाली क्षमता को दिखाया जा सके और उस पर चर्चा की जा सके। बड़े अंतरराष्ट्रीय एआई फोरम के नतीजों के आधार पर यह समिट ग्लोबल एआई चर्चाओं को इंडियाएआई मिशन और डिजिटल इंडिया इनिशिएटिव के साथ ठोस विकास के नतीजों में बदलने पर फोकस करेगा। साथ ही बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करेगा और लोगों पर केंद्रित एआई फ्रेमवर्क को आगे बढ़ाएगा। एआई की रणनीति के महत्व को पहचानते हुए भारत सरकार ने इंडियाएआई मिशन, एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वदेशी एआई मॉडल और जिम्मेदार एआई अपनाने के लिए बड़े पैमाने पर कैपेसिटी बिल्डिंग जैसी पहलों के जरिए एक मजबूत और सबको साथ लेकर चलने वाला एआई इकोसिस्टम बनाने को प्राथमिकता दी है।

बिहार विधान परिषद में सत्ता पक्ष से नोकझोंक

पटना। बिहार बजट सत्र में मंगलवार को विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान जमकर गर्माहट देखने को मिली। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच जमकर नोकझोंक हुई, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसके बाद स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए सभापति अवधेश नारायण सिंह ने मंगलवार के लिए विपक्षी सदस्यों को मार्शल के जरिए सदन से बाहर निकलवा दिया। दरअसल, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को मुख्यमंत्री के बयान को लेकर माफी मांगने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच, राजद के सुनील सिंह और जदयू के नेता और मंत्री अशोक चौधरी के बीच नोकझोंक शुरू हो गई।

एनडीए सांसदों ने राहुल गांधी पर बोला जोरदार हमला

अप्रकाशित किताब पर राजनीति कर रहा विपक्ष, अविश्वास प्रस्ताव लाना निंदनीय

नई दिल्ली

लोकसभा में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की किताब को लेकर विपक्ष के विरोध को भाजपा नेताओं ने साजिश करार दिया है। भाजपा के नेताओं ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसीलिए ये लोग अब नई कहानी लेकर आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने विपक्ष की आलोचना की और कहा, राहुल गांधी की जिद के कारण इस बजट सत्र का पूरा कामकाज विफल हो गया है। विपक्ष को अपना मुद्दा रखने का मंच मिलना चाहिए, लेकिन राहुल गांधी की जिद के कारण सदन में कोई संवाद नहीं हो रहा। इसके साथ ही लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना निंदनीय है, क्योंकि उन्होंने हमेशा सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को बराबरी का मौका दिया है।

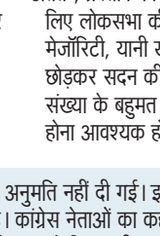

केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष के रवैए पर उठाए सवाल

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी विपक्ष के व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, अगर प्रकाशन ने कह दिया कि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, तो इसे गलत क्यों बताया जा रहा है? राहुल गांधी ने जानबूझकर सदन को बंधक बना लिया है, जो कि अमर्यादित है। विपक्ष के नेता को संसदीय ज्ञान नहीं है।

ट्रंप से मिलने के लिए रवाना हुए नेतन्याहू, ईरान के मुद्दे पर होगी बातचीत

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वॉशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। पीएम नेतन्याहू ने इजरायल और अमेरिका के बीच खास संबंध पर जोर दिया। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने कहा, मैं अब राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद उनसे मिलने के लिए अपनी सातवीं दौरे पर अमेरिका जा रहा हूं।उन्होंने कहा, बेशक, इसमें इजरायल में ट्रंप की यादगार यात्रा और नेसेट में उनका भाषण शामिल नहीं हैं।

रक्षा मंत्रालय इसी सप्ताह खरीदने की दे सकता है मंजूरी

फ्रांस से भारत आएंगे 114 और राफेल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली

भारत का रक्षा मंत्रालय इस सप्ताह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की एक बड़ी डील को मंजूरी दे सकता है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, यह सौदा भारतीय वायुसेना के लिए किया जा रहा है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से पहले दी जा सकती है। इसके बाद इस सौदे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से भी मंजूरी लेनी होगी।इस प्रस्ताव के अनुसार, भारत फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 18 राफेल विमान सीधे खरीदेगा। बाकी 96 विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इनमें से कुछ विमान दो सीट वाले होंगे, जिनका उपयोग पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए किया जाएगा। इस डील में आधुनिक तकनीक भारत को देने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने की बात भी शामिल है। भारतीय वायुसेना के के बेड़े में पहले से ही दो स्क्वाड्रनों में 36 राफेल विमान शामिल हैं, जिनमें से सी वेरिएंट की अंतिम डिलीवरी दिसंबर 2024 में हुई थी। इसके अलावा भारतीय नौसेना ने भी एम वेरिएंट के 26 राफेल विमानों का ऑर्डर भी दिया गया है, जिनकी कीमत करीब 63,000 करोड़ रुपए है। नौसेना के ये राफेल विमान आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य विमान वाहक पोत से उड़ान भरेंगे। इस सौदे में विमानों की मरम्मत, रखरखाव, जरूरी सामान और कर्मचारियों की ट्रेनिंग की व्यवस्था भी शामिल है।

कैल्प मिसाइल को लॉन्च करने राफेल का हुआ था इस्तेमाल

राफेल विमानों का इस्तेमाल स्कैल्प (एससीएएलपी) मिसाइल को लॉन्च करने के लिए किया गया था, जो 250 किलोमीटर से ज्यादा दूर तक बहुत सटीक हमला कर सकती है। इसके अलावा यह मेटियोर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हैमर हथियार, स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और आधुनिक रडार से भी लैस है। पिछले साल जून में भारत और फ्रांस ने डसॉल्ट एविएशन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के बीच चार बड़े समझौतों की घोषणा की थी, जिससे भारत को राफेल विमानों की डिलीवरी तेजी से मिलने में मदद मिलेगी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स हैदराबाद में एक आधुनिक फैक्ट्री लगाएगी, जहां राफेल विमान के अहम हिस्से बनाए जाएंगे, जिनमें विमान का पिछला हिस्सा, बीच का ढांचा और आगे का हिस्सा शामिल होगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.48 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.77 पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति के बाद से मुद्रा बाजार में उत्साह की बजाय सतर्कता का माहौल बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.63 पर खुला। फिर और टूटकर 90.77 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है।

एयरलाइन का पायलट-क्रू बफर बढ़ा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने दिसंबर में शून्य से फरवरी तक अपना क्रू बफर बढ़ाकर 3% कर लिया है। साथ ही पायलट-टू-एयरक्राफ्ट अनुपात भी मजबूत किया है। इन सुधारों के बाद सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को उम्मीद है कि 10 फरवरी को पायलट ड्यूटी और विश्राम से जुड़े नियमों (एफडीटीएल) पर दी गई अस्थायी छूट खत्म होने के बावजूद उड़ानों में न्यूनतम ही बाधा आएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, अब एयरलाइन ने रोस्टरिंग योजनाओं में सुधार करते हुए प्रति विमान पायलट क्रू सेट की संख्या बढ़ा दी है।

गेहूं 2,849 रु. प्रति क्विंटल पर स्थिर, आटा चार रु. महंगा

नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी रही जबकि गेहूं के भाव गत दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। चना दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की औसत कीमत 42 रुपये और उड़द दाल की 20 रुपये बढ़ गयी। मसूर दाल 12 रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 63 रिंगिट टूटकर 4,097 रिंगिट प्रति

टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.49 प्रतिशत फिसलकर 56.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में वनस्पति की औसत कीमत 60 रुपये और मूंगफली तेल की 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल 13 रुपये और सोया तेल 10 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल छह रुपये और सूरजमुखी तेल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव गत दिवस के स्तर पर ही टिके रहे जबकि चीनी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

टीवीएस अपाचे बनी नंबर वन बाइक, सबसे ज्यादा है ग्रोथ

नई दिल्ली

दोपहिया बाजार में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त 72प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई। इस सेगमेंट पर दबदबा जमाने का काम टीवीएस अपाचे ने किया। टीवीएस अपाचे ने सभी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए 117प्रतिशत की सालाना ग्रोथ हासिल की। इतनी तेजी से बढ़ती बिक्री के चलते टॉप-16 मॉडलों में अकेले अपाचे ने 28.73प्रतिशत मार्केट शेयर पर कब्जा जमाया। दिसंबर 2025 में टीवीएस अपाचे की 45,507 यूनिट बिकीं, जो दिसंबर 2024 में दर्ज 20,885 यूनिट्स की तुलना में 24,622 यूनिट ज्यादा हैं। बजाज पल्सर ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और दिसंबर 2025 में इसकी 35,620 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70.66प्रतिशत अधिक है। होंडा यूनिकॉर्न ने भी 60प्रतिशत से

ज्यादा की ग्रोथ दर्ज की और दिसंबर 2025 में इसकी 33,640 यूनिट्स की बिक्री हुई। यामाहा के मॉडलों की बात करें तो एक्सएसआर की 14,951 यूनिट्स बिकीं। एफझेड ने 20.25प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की और 10,291 यूनिट्स बिकीं, जबकि आर15 की बिक्री 27.73प्रतिशत बढ़कर 5,453 यूनिट पहुंची। एमटी-15 की बिक्री घटी और इसे 15.72प्रतिशत की डिग्रोथ का सामना करना पड़ा। केटीएम 200 ने भी दमदार प्रदर्शन किया और 58.95प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 2,815 यूनिट्स बिकीं। होंडा एसपी 160 की बिक्री गिरकर 1,765 यूनिट रह गई, जिसे 60प्रतिशत से अधिक की डिग्रोथ दर्ज हुई। हीरो एक्सपल्स 200 की 1,086 यूनिट्स बिकीं और इसे 16.77प्रतिशत की ग्रोथ मिली। बजाज एवेंजर ने 48.84प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जबकि होंडा हॉर्नेट 2.0 और हीरो एक्सट्रीम 160आर/200 को गिरावट का सामना करना पड़ा। सुजुकी जिक्सर इस सूची की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बाइक रही, जिसकी बिक्री 531 यूनिट तक पहुंची और इसे 453 प्रतिशत की रिकॉर्डतोड़ ग्रोथ मिली।

नई रेनो डस्टर जल्द होगी भारत में लॉन्च, तैयारी तेज

नई दिल्ली

भारत में रेनो अपनी नई डस्टर को जल्द लांच करने जा रही है। कंपनी ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। इसी बीच नई डस्टर को पहली बार बिना किसी कैमोफ्लाज के सड़क पर दौड़ते हुए देखा गया है। यूट्यूब चैनल पर शेयर हुए वीडियो में यह एसयूवी अपने खाकी ग्रीन कलर में नजर आई, जिससे इसके दमदार रोड प्रेजेंस का साफ अंदाजा लगता है।वीडियो में डस्टर का रियर लुक, कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स, आकर्षक बंपर, साइड प्रोफाइल और 18 इंच के अलॉय वील्स भी स्पष्ट दिखाई देते हैं, जो इसके डिजाइन को और अधिक प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई डस्टर को कई हाईटेक फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसमें 10 इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन दी गई है, जो गूगल ओएस पर चलती है और पहले से मौजूद ऐप्स की वजह से एंड्रॉयड ऑटो की जरूरत को खत्म कर देती है। इसके साथ 10.25 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट और अडास जैसे कई प्रीमियम फीचर्स भी शामिल हैं, जिससे इसका केबिन और भी मॉडर्न और कंफर्टेबल हो जाता है। नई रेनो डस्टर तीन दमदार इंजन ऑप्शन के साथ पेश की जाएगी। बेस वेरिएंट में 100 पीएस वाला 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा। वहीं टॉप वेरिएंट में 1.3 लीटर का टर्बो पेट्रोल इंजन होगा, जो 163 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है और 6-स्पीड डीसीटी से लैस है।

क्रिसिल रेटिंग्स एजेंसी ने सरकारी नीतियों में बदलाव से बचने की दी सलाह

ब्रोकिंग कंपनियां नीतियों में बदलावों से बचने अपनाएं विविधीकरण

मुंबई

बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने सरकारी नीतियों में बदलाव से बचने के लिए ब्रोकिंग कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में विविधिकरण की सलाह दी है।

एजेंसी की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में डेरिवेटिव्स पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में वृद्धि की गयी है। इससे ब्रोकिंग कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले, पिछली कुछ तिमाहियों में भारतीय प्रतिभूति

एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कुछ नियामक बदलाव भी किये थे जिनका उद्देश्य अनुमान आधारित गतिविधियों में कमी लाना, खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा और बाजार में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक मालविका भोटिका ने 25 ब्रोकिंग कंपनियों के प्रदर्शन के विश्लेषण के आधार पर कहा कि जिन कंपनियों ने अपने राजस्व के स्रोतों में विविधता रखी है, वे इन उतार-चढावों से ज्यादा अच्छे से निपटने में सक्षम रहे। वहीं, जिन इकाइयों की आय का बड़ा हिस्सा ब्रोकिंग शुल्क या प्रॉप्राइटरी ट्रेडिंग कारोबार से आता है उनके राजस्व में गिरावट देखी गयी। पूंजी बाजार की विविधीकरण वाली कंपनियों का दो-तिहाई राजस्व गैर-बैंकिंग एवं गैर-ट्रेडिंग कारोबार से प्राप्त होता है जिससे वे बाजार के उथल-पुथल का मजबूती से सामना कर सकते हैं। दूसरी तरफ, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में पारंपरिक ब्रोकिंग कंपनियों का राजस्व 15 प्रतिशत घट गया। सेबी के नियमों में बदलाव करने से बाजार में गतिविधि में कमी आयी जिससे राजस्व प्रभावित हुआ है। कंपनियों ने उसकी भरपाई के लिए ब्रोकरेज शुल्क बढ़ा दिये हैं और कुछ ऐसी सेवाओं पर भी शुल्क लगा रही हैं जिन पर पहले कोई शुल्क नहीं था।

बिजली की मांग 4.5 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर

वहीं उत्तरी और पूर्वी हिस्से में शीतलहर के कारण देश में बिजली की मांग जनवरी में 4.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 143 अरब यूनिट पर पहुंच गयी जो कम से कम 2010 के बाद का रिकॉर्ड है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि जनवरी के पूर्वार्ध में उत्तरी और पूर्वी भारत में भयंकर शीतलहर रही जिससे घरों को गर्म रखने के लिए बिजली की मांग में वृद्धि देखी गयी। पिछले साल जनवरी में बिजली की मांग 136 अरब यूनिट रही थी। 08 जनवरी से 14 जनवरी के बीच पश्चिमी और पश्चिमोत्तर भारत में औसत न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। उत्तर भारत में बिजली की मांग 5.5 प्रतिशत अधिक रही। इसमें औद्योगिक मांग का भी योगदान रहा। जनवरी में देश के विनिर्माण गतिविधियों का सूचकांक दिसंबर के 55 से बढ़कर 55.4 पर पहुंच गया। कुल मांग में औद्योगिक तथा वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का योगदान लगभग 50 प्रतिशत रहा।

जनवरी में घटा इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश

नई दिल्ली

इक्विटी म्यूचुअल फंडों में जनवरी में निवेश की रफ्तार कुछ धीमी रही। उद्योग संगठन एएमएफआई के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में शुद्ध निवेश 24,028 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले महीने की तुलना में 14 प्रतिशत कम है। यह लगातार दूसरा महीना रहा जब इक्विटी फंडों में निवेश घटा। कमजोर बाजार परिस्थितियों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुख सतर्क बना रहा। हालांकि, इक्विटी में सुस्ती के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल परिसंपत्तियों में बढ़ोतरी जारी रही। जनवरी में कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये था। पूरे उद्योग में जनवरी के दौरान 1.56 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया।

एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप

आकृति दहिया ने 50 मी. स्पर्धा में जीता रजत पदक

नई दिल्ली

भारत की आकृति दहिया ने मंगलवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की व्यक्तगित 50मी. राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में रजत पदक जीता।

आज यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में मुकाबला करते हुए, 24 साल की निशानेबाज ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग राउंड के बाद कुल 354.2 का स्कोर किया। कजाकिस्तान की सिर्फ 18 साल की सोफिया शुलजेन्को ने 358.2 के वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक

जीता, जबकि दो बार की ओलंपियन भारत की अंजुम मौदगिल ने 340.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एक और भारतीय निशानेबाज, आशी चौकसे, पोडियम फिनिश से चूक गईं, कुल 330.9 के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

इससे पहले, मौदगिल, चौकसे और दहिया ने मिलकर टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1756 (86) स्कोर किया। कजाकिस्तान 1760 (90) के साथ टीम स्टैंडिंग में टॉप पर रहा, जबकि जापान ने 1730 (69) के साथ कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड में, विदरसा विनोद 590 (35) के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर रहे, लेकिन केवल रैंकिंग पॉइंट्स (आरपीओ) के लिए मुकाबला कर रहे थे। अंजुम मौदगिल 587 (30) के साथ तीसरे, आशी चौकसे 586 (32) के साथ पांचवें और आकृति दहिया 583 (24) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार 582 (20) के साथ नौवें स्थान पर रहीं, उन्होंने भी आरपीओ के लिए निशानेबाजी की। आज के जीते पदकों के साथ, चैंपियनशिप में भारत के मेडल की संख्या 18 हो गई है, जिसमें आठ स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

मध्यप्रदेश कुश्ती टीम गाजियाबाद रवाना, वंश पाल होंगे कप्तान

इंदौर

राष्ट्रीय फेडरेशन कप कुश्ती का आयोजन 12 से 14 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में किया जा रहा है। मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के विक्रम अवार्डी ओमप्रकाश खत्री ने बताया कि, मध्यप्रदेश कुश्ती टीम राष्ट्रीय फेडरेशन कप कुश्ती में भाग लेने गाजियाबाद रवाना हुई। ओलम्पियन पप्पू यादव की सहमति से टीम का कप्तान वंश पाल को बनाया गया। कुश्ती दल फ्री स्टाइल टीम में अभिषेक सिंह यादव, आयुष सोनकर, निचित जैसवाल, यशपाल, सौरभ यादव, शुभम सिंह, जतिन पाठक, फराज हुसैन, तरुण, मोक्ष चतुर्वेदी शामिल हैं। इसी तरह ग्रीको रोमन टीम में नीरज पटेल,गोपाल यादव,कुणाल सिलावट, नमन चौहान, महेश राठौर, गौरव यादव, युवराज पाल, आर्यन चौहान, वंश पाल, मुदिस्सर खान एवं महिला टीम में प्रियांशी प्रजापत, मिहिका सोनकर, छाया पटेल, शिवानी शर्मा, रेखा जाट, वर्षा पांडे, नुपुर प्रजापत, तनु जाट काशिश एवं प्रांजल सोनकर शामिल हैं। टीम के साथ कोच होंगे विकास यादव, केजेश यादव, जगदीश पटेल, रिंकू यादव, रवि आहिर। फेडरेशन कप कुश्ती में प्रदेश के पहलवान से अधिक से अधिक पदक जीतने की कामना ओलंपियन पप्पू यादव, विक्रम अवॉर्डी ओमप्रकाश खत्री, सुरेश यादव, गोविन्दा गुज्जर ने की है।

[टी-20 विश्वकप] टिम साइफर्ट और फिन ऐलन ने खेली नाबाद विस्फोटक पारी

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

चेन्नई

टिम साइफर्ट (नाबाद 89) और फिन ऐलन (नाबाद 84) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 28 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद दिया।

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 175 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। टिम साइफर्ट ने 42 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली। फिन ऐलन और साइफर्ट के बीच 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई। फिन ऐलन ने 50 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नबााद 84 रन बनाए।

इससे पहले कप्तान मुहम्मद वसीम (नाबाद 66) और आलीशान शराफु (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 173 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यूएई की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में आर्यष शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिए। इसके बाद मुहम्मद वसीम और आलीशान शराफु की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने आलीशान शराफु को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। मयंक कुमार 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुये। इसके अलावा हर्षित कौशिक (दो), सोहैब खान (सात) और मुहम्मद इरफान (शून्य) पर आउट हुए। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने दो विकेट लिये। जेकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए मध्यप्रदेश के तीन जिले हुआ चयन, उज्जैन, धार और बालाघाट कलेक्टर ने दिया प्रेजेंटेशन

सिटी टुडे

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सिविल सेवा दिवस 21अप्रैल 2026 को सिविल सेवा दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में देंगे। पुरस्कार ,प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, धार जिले के कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और बालाघाट जिले के कलेक्टर मृणाल मीणा ने दिए प्रेजेंटेशन ।

सिटी टुडे को मिली अधिकृत जानकारी के अनुसार तीनों जिलों के कलेक्टरों ने 11 प्राथमिकता वाले क्षेत्र कार्यक्रमों जिलों का समग्र विकास श्रेणी के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 के लिए अपना -अपना प्रस्तुतिकरण हाल ही में दे दिया है।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार ने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए देश भर में सिविल सेवकों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए 2006 से यह योजना प्रारंभ की है । वर्ष 2025 के लिए,

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कारों की योजना का उद्देश्य 16 पुरस्कारों के माध्यम से तीन श्रेणियों के अंतर्गत सिविल सेवकों के योगदान को मान्यता देना है।

जिलों का समग्र विकास श्रेणी के लिए प्रथम चरण की स्क्रीनिंग समिति ने पीएम पुरस्कार 2025 के लिए प्रेजेंटेशन देखने के बाद

दूसरे चरण के लिए नामांकन को अंतिम रूप दिया। अब लाभार्थी से कॉल सेंटर के माध्यम से फीडबैक लिया जायेगा साथ ही डायरेक्टर स्तर की टीम द्वारा धरातल पर निरीक्षण भी किया जायेगा।

श्रेणी 1: जिलों का समग्र विकास : हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मिशन इंद्रधनुष,प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (क्क क्क्रू-छ्वड्ड), पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, किसानों, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पी.एम.विश्वकर्मा,सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना। कुल 11 प्राथमिकता क्षेत्र कार्यक्रमों के तहत जिलों का समग्र विकास । इस श्रेणी के तहत 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

श्रेणी 2: आकांक्षात्मक ब्लॉक कार्यक्रम। इस श्रेणी के अंतर्गत 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

श्रेणी 3: केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों , राज्यों, जिलों के लिए नवाचार । इस श्रेणी के अंतर्गत 6 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे ।

पीएम पुरस्कार पोर्टल पर जिलों का समग्र विकास श्रेणी के तहत पूरे देश से 513, नामांकन प्राप्त हुए थे, इनमें मध्यप्रदेश के 18 जिलों के कलेक्टरों ने नामांकन फाइल किये थे।जिसमें से मध्यप्रदेश के उज्जैन, धार और बालाघाट जिला दूसरे चरण के लिए चयन हुआ ।

पुरस्कारों के प्रयोजनों के लिए आवेदनों के मूल्यांकन में (1) अतिरिक्त सचिवों की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग समिति द्वारा जिलों,संगठनों की शॉर्टलिस्टिंग, (2) सचिव, डीएआरपीजी की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन और (3) कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति द्वारा पुरस्कारों के लिए अंतिम सिफारिश शामिल होगी। पुरस्कारों के लिए अधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों पर प्रधानमंत्री की मंजूरी ली जाएगी।

प्रधानमंत्री पुरस्कार, 2025 के अंतर्गत ट्रॉफी, स्क्रॉल और पुरस्कृत जिले, संगठन को 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिसका उपयोग परियोजना,कार्यक्रम के कार्यान्वयन या लोक कल्याण के किसी भी क्षेत्र में संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार की संपूर्ण अवधारणा और प्रारूप में क्रांतिकारी बदलाव आया है। इस योजना का उद्देश्य रचनात्मक प्रतिस्पर्धा, नवाचार, प्रतिकृति और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण को प्रोत्साहित करना है। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत, केवल मात्रात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के बजाय सुशासन, गुणात्मक उपलब्धि और लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर जोर दिया जाएगा। इस वर्ष भी, समग्र विकास श्रेणी के अंतर्गत, पुरस्कार योजना लक्षित व्यक्तिगत लाभार्थियों और संतृप्ति दृष्टिकोण के साथ कार्यान्वयन के माध्यम से जिला कलेक्टर के प्रदर्शन को मान्यता देती है। इस फोकस के साथ, पुरस्कारों के लिए आवेदनों का मूल्यांकन तीन मापदंडों, सुशासन, गुणात्मक और मात्रात्मक पर किया जा रहा है।

न्यायिक अधिकारियो को दिया गया मीडिएशन का प्रशिक्षण

ग्वालियर। ग्वालियर, दतिया, अशोकनगर, भिण्ड, गुना, श्योपुर, सागर एवं टीकमगढ़ जिले में पदस्थ न्यायिक अधिकारियों को होटल आदित्याज में 40 घंटे का मीडिएशन प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 फरवरी से 11 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय मीडिएशन एवं कॉन्सीलेशन प्रोजेक्ट कमेटी नई दिल्ली तथा म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में न्यायिक अधिकारियों को सीनियर ट्रेनर एमसीपीसी म.प्र. श्रीमती गिरिबाला सिंह एवं सीनियर टे्र्नर एमसीपीसी नई दिल्ली श्रीमती रीमा भण्डारी के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर श्री प्रियंक भारद्वाज, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर द्वारा सीनियर ट्रेनर एमसीपीसी म.प्र. श्रीमती गिरिबाला सिंह एवं सीनियर ट्रेनर एमसीपीसी नई दिल्ली श्रीमती रीमा भण्डारी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री अंकिता शांडिल्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर अचलेश्वर मंदिर पर रहेंगे विशेष प्रबंध

ग्वालियर

रविवार 15 फरवरी महाशिवरात्रि पर्व है। महाशिवरात्रि पर अचलेश्वर महादेव मंदिर पर हजारों की संख्या में भक्त आते हैं। भक्तों को भगवान के दर्शन सुचारू रूप से हो सकें, इसके लिए 14 फरवरी की रात से ही पुलिस बल एवं प्रशासनिक अधिकारी मंदिर परिसर में तैनात रहेंगे। इसके साथ ही मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा 90 वालेंटियर लगाए जाएंगे। यह सभी मंदिर में व्यवस्थाएं संभालेंगे। इसके साथ ही इस बार मंदिर के आसपास डीजे पर प्रतिबंध रहेगा।

एसडीएम झांसी रोड श्री अतुल सिंह एवं सीएसपी श्री रोबिन जैन के साथ गुरूवार को अचलेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की मंदिर परिसर में आवश्यक बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर और उसके आसपास डीजे नहीं बजाए जाएंगे। साथ ही 14 फरवरी की शाम से अचलेश्वर मंदिर क्षेत्र में कार्यपालिक दंडाधिकारी एवं अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी व्यवस्थाएं संभालेंगे। महादेव के दर्शन के लिए भक्त कतार लगाकर मंदिर में जाएंगे।

प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने डबरा स्थित नवग्रह शक्ति पीठ में आयोजित धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण : दिए आवश्यक निर्देश

कंट्रोल रूम, सुरक्षा, फायर सेफ्टी व भीड़ प्रबंधन सहित समुचित व्यवस्थाओं की समीक्षा

ग्वालियर

जिले के डबरा में नवग्रह शक्ति पीठ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, आईजी श्री अरविंद सक्सेना व डीआईजी श्री अमित सांघी सहित विभागीय अधिकारियों ने डबरा स्थित नवग्रह मंदिर में प्रस्तावित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्वप्रथम कंट्रोल रूम पहुंचकर मॉनिटरिंग व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने और सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं आवागमन व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीड़ की स्थिति को देखते हुए रस्सी एवं बैरिकेडिंग की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए, आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जाए। इसके पश्चात उन्होंने यज्ञशाला का निरीक्षण कर यज्ञ की समयावधि, संभावित श्रद्धालुओं की संख्या तथा कार्यक्रम की समग्र रूपरेखा के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान आईजी श्री अरविंद सक्सेना ने अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से मंदिर परिसर में 16 फायर एक्सटिंग्विशर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संबंधित स्टाफ को इनके उपयोग का प्रशिक्षण देने तथा डेमो आयोजित करने पर बल दिया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जा सके। कलेक्टर ने कथा स्थल का भी निरीक्षण कर बैठक व्यवस्था, प्रवेश-निकास प्रबंधन तथा भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भ्रष्टाचार के मामले में शिवपुरी नगर पालिका अध्यक्ष तथा सीएमओ को किया तलब

शिवपुरी नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपो के बाद जांच तथा कलेक्टर प्रतिवेदन उपरांत नगरीय विकास तथा आवास विभाग द्वारा दोनों को नोटिस देकर उनका पक्ष सुनने का अवसर दिया गया था प्राप्त जानकारी अनुसार दोनों ने अपना पक्ष रखा परंतु परीक्षण के बाद उनके द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों को नाकरते हुए अपना पक्ष रखा परंतु शासन उनके पक्ष से सहमत नहीं हुआ।बताया जाता है कि नगरी विकास तथा आवास विभाग के ओएसडी द्वारा 10 फरवरी को जारी पत्र अनुसार नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को इस बाबत सूनवाई के लिए 24 फरवरी 2026 को नवीन वल्लभ भवन मंत्रालय 2 तल पर कमरा नंबर 203 में सुनवाई के लिए तलब किया गया है। बताया जाता है कि इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा को हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

दादी नानी की रसोई से व्यन्जनों का अदभुद मेला 14 फरवरी को जीवाजी क्लब में

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खण्डेलवाल आयेंगे कलेक्टर रूचिका सिंह चौहान मुख्य अतिथि होंगी

ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग द्वारा कलेक्टर श्रीमती रूचिका सिंह चौहान की प्रेरणा से दादी नानी की रसोई से व्यन्जनों का मेला 14 फरवरी को जीवाजी क्लब ग्वालियर में आयोजित किया गया है। कैट, नगर निगम ग्वालियर, जिला प्रशासन, जीवाजी क्लब, स्वदेशी जागरण मंच इस आयोजन के प्रमुख सहयोगी हैं और वे शहर की ऐसी महिला उद्यमी व महिलाओं को आमंत्रित कर रहे हैं जो स्वादिष्ट व्यन्जन बनाती है। इस मेले में पंजाबी, इन्दौरी फूड, गुजराती, विहार के व्यन्जन, महाराष्ट मुम्बई व्यन्जन, राजस्थानी थाली, कांजीबडा, सिन्धी खाना, मोमोज, उत्तरप्रदेश की चाट साउथ इण्डियन व्यन्जन, कढी कचौडी मेलेस्ट से बनी खाने की चीजें, हिमाचल के व्यन्जन प्रमुख रूप से लगाये जायेंगे।

कैट महिला विंग की अध्यक्ष डॉ.गरिमा वैश्य, कार्यक्रम संयोजक रेणू गोयल ने बताया कि दोनों अतिथि स्वच्छता एवं प्रबन्धन के लिये कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन को विशिष्ट रूप से पुरूस्कृत करेंगे। क्षेत्रीय आयुक्त सत्यवर्धन गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में मेले के शुभारंभ समारोह में भाग लेंगें। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन, जीवाजी क्लब अध्यक्ष राजेन्द्र सेठ, सचिव संजय वर्मा, नगर निगम आयुक्त संघप्रिय, स्वदेशी जागरण मंच के सुधीर भदौरिया, राजेश एरन, सीमासिंह भदौरिया ने सभी पदाधिकारियों, शहर के गणमान्य नागरिकों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्सा में दादी नानी की रसोई से अदभुद व्यन्जनों का लुफत उठाने के लिये कार्यक्रम में पधारें और मेले का आनन्द उठायें।

जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर

ग्वालियर जिले में सभी बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए आधार शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि बच्चों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने जिला पोषण समिति की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम सहित महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सीईओ जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने कहा कि पोषण टैकर एप का डाटा चैक किया। जिसमें ग्वालियर जिला संभाग में दूसरे स्थान पर है, जबकि आभा आईडी एवं अपार आइडी में एंट्री के मामले में ग्वालियर संभाग में प्रथम स्थान पर है। समीक्षा बैठक में आंगनबाडी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति कम होने एवं पोषण टैकर एप में नियमित एंट्री ना होने के साथ अति कम वजन के बच्चों को एनआरसी की क्षमता के अनुरूप भर्ती कर उनका उपचार करने के निर्देश भी दिए गए।

महिला सशक्तिरकण में मीडिया की अहम भूमिका-डीएम

महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर-एसपी, मिशन शक्ति अंतर्गत मीडिया संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

श्योपुर

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल अधिकारों के संरक्षण में मीडिया की अहम भूमिका है। महिला अधिकारो के लिए शासन द्वारा कानून बनाकर संरक्षण प्रदान किया गया है। इसी प्रकार बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए भी कानूनी प्रावधान किये गये है। वे आज होटल राधिका पैलेस में मिशन शक्ति अंतर्गत मीडिया संवेदीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एएसपी श्री प्रवीण भूरिया, एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री राकेश

गुप्ता, सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री रिशु सुमन सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई प्रकार से पहल की जा रही है। कानूनी प्रावधानों के तहत उन्हें संरक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा एनआरएलएम अंतर्गत समूहो के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक उत्थान हेतु कार्य किये जा रहे है। व्यवसाय एवं आजीविका के क्षेत्र में स्वावलम्बी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कराहल पंचायत को महिला हितैषी पंचायत के रूप में चिन्हित किया गया है तथा महिलाओं के अधिकारों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भूमिका सुनिश्चित करने के प्रयास शासन की मंशा के अनुरूप किये जा रहे है।

पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। महिलाओं से संबंधित मामलों में तुरंत कार्यवाही के लिए महिला थाना संचालित है और महिला हेल्पडैस्क भी बनाई गई है। इसके साथ ही सुरक्षा एवं जागरूकता के उद्देश्य से मै भी अभिमन्यु जैसे अभियान समय-समय पर चलाये जा रहे है।

कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय द्वारा भी उद्बोधन दिया गया तथा जिले में संचालित पर्यटन गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सहायक संचालक श्री रिशु सुमन द्वारा बेटी बचाओं-बेटी पढाओं योजना अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विभिन्न विद्यालयों में छात्राओं के लिए आत्मरक्षार्थ प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे है तथा बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर पत्रकार बंधुओं को जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद श्योपुर द्वारा प्रकाशित वर्ष 2026 का पुरातत्व, पर्यटन पर आधारित आकर्षक कैलेण्डर भेंट किये गये, कैलेण्डर के प्रत्येक पृष्ठ पर जिले के एतिहासिक दुर्ग, प्राकृतिक स्थल डोब कुण्ड, देव-खो, वनो के नेसर्गिक सौन्दर्य एवं कूनो नेशनल पार्क स्थित वन्यजीवों के फोटो प्रदर्शित किये गये है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार श्री रिशु सुमन द्वारा व्यक्त किया गया।

स्वामी एवं प्रकाशक गुरुशरण सिंह अहलुवालिया द्वारा शर्मा ऑफसेट एण्ड प्रिंटर्स H.O NO. 67 घोसीबाडा दानाओली लश्कर ग्वालियर मप्र, 474001 से मुद्रित एवं एम-3/19 ब्लू लोटस हिल कॉलोनी सिरोल रोड ग्वालियर मप्र 474006 से प्रकाशित। संपादक-गुरुशरण सिंह अहलुवालिया, 9425127301, ईमेल sititoday2008@gmail.com (सभी विवादों के लिए न्यायालीन क्षेत्र ग्वालियर होगा) PRGI NO. MPHIN/2009/31963